सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 299 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 12 अगस्त 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

मुंबई के घाटकोपर में लैंडस्लाइड, 6 की मौत

मुंबई। मुंबई के घाटकोपर के चिराग नगर इलाके में बुधवार सुबह लैंडस्लाइड हुआ। सुबह करीब 3:48 बजे गौसिया चाल में पहाड़ी से मिट्टी और मलबा खिसककर कई घरों पर जा गिरा। हादसे के समय लोग सो रहे थे। अब 6 लोगों की मौत हुई। 4 लोग घायल हुए हैं। बारिश को हादसे की वजह बताया जा रहा है। डीसीपी गणेश शिंदे ने बताया कि 3-4 लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। हालांकि सटीक संख्या की अभी पुष्टि नहीं हुई है। रेस्क्यू टीम स्पेशल विक्टिम-डिटेक्शन कैमरों की मदद ले रही है। घटनास्थल तक पहुंचने का रास्ता 3 से 3.5 फीट चौड़ा है।

सरकार हर मुद्दे पर चर्चा करने को तैयार : गृहमंत्री शाह

नई दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा, 'सरकार हर मुद्दे पर चर्चा को तैयार है, लेकिन विपक्ष सदन को चलने दे। आज 3 बजे से चर्चा शुरू करें। मैं सदन में बैठूंगा, सबको सुनूंगा और कल 3 बजे सबको जवाब दूंगा।' इस पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा, 'हमें उनका लेक्चर नहीं सुनना है। पहले ये बताएं कि जंतर-मंतर पर छात्रों पर गोलियां किसने चलवाईं। उन्होंने आदेश नहीं दिया तो वे इस्तीफा दें।' विपक्ष छात्रों के आंदोलन के दौरान लाठीचार्ज के मुद्दे पर गृह मंत्री के बयान पर अड़ा है। इस कारण 17 दिनों से लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही नहीं चल पा रही है। विपक्ष का आरोप है कि शाह सदन में नहीं आ रहे हैं।

चेन्नई में इंडिगो की इमरजेंसी लैंडिंग : 224 यात्री सवार थे

चेन्नई। एयरपोर्ट पर मंगलवार देर रात एक इंडिगो फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिग कराई गई। फ्लाइट कोलकाता से चेन्नई आ रही थी। फ्लाइट चेन्नई में लैंड करने वाली थी, तभी पायलट ने महसूस किया कि बायां इंजन फेल हो गया है। उसने तुरंत एयर ट्रैफिक कंट्रोल को इसकी जानकारी दी, जिसके बाद चेन्नई एयरपोर्ट पर रात 11:29 बजे फुल इमरजेंसी घोषित की गई। इसके बाद फ्लाइट की सुरक्षित लैंडिग हुई। विमान में 224 लोग सवार थे। एयरपोर्ट अधिकारियों के मुताबिक, इंडिगो की फ्लाइट 6ई-723 को रात 11:30 बजे चेन्नई पहुंचना था। रनवे पर उतरने से ठीक पहले पायलट को एहसास हुआ कि बाएं इंजन में खराबी आ गई है। इसके बाद पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल को अलर्ट कर दिया।

हरेली पर बच्चों ने लिया प्रकृति संरक्षण का संकल्प

श्रीकंचनपथ समाचार

बेमेतरा। शासकीय प्राथमिक शाला साल्हेपुर में हरेली तिहार को उत्साह के साथ मनाया गया। विद्यार्थियों के साथ उनकी माताओं, अभिभावकों और किसानों ने भागीदारी दी। आयोजन में लोकपरंपरा, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक सहभागिता का सुंदर संगम देखने को मिला।

सर्वश्रेष्ठ प्रधान पाठक के पुरस्कार से सम्मानित अंबालिका पटेल ने बच्चों को हरेली पर्व के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हरेली छत्तीसगढ़ का प्रमुख कृषि एवं प्रकृति पर्व है, जो अच्छी फसल, कृषि समृद्धि और प्रकृति व धरती के प्रति कृतज्ञता की भावना से जुड़ा है। उन्होंने बच्चों को खेती-किसानी, पर्यावरण संरक्षण और अपनी लोक संस्कृति से जुड़े रहने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में किसानों ने बच्चों को हल, कुदाल, फावड़ा सहित विभिन्न पारंपरिक कृषि उपकरणों से परिचित कराया। इन उपकरणों के उपयोग और खेती-किसानी में उनके महत्व की जानकारी दी।

हरेली के मौके पर बच्चों ने 'एक बच्चा-एक हरियर साथी' अभियान के तहत पौधारोपण किया। इसके साथ ही बच्चों ने सीड बॉल तैयार किए और पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था करने का संकल्प लिया। पालकों ने भी बच्चों का हौसला बढ़ाते हुए इस कार्य में पूर्ण सहयोग करने का आश्वासन दिया।

हरेली पर सीएम हाउस में बिखरी उत्सव की छटा

मुख्यमंत्री ने की कृषि औजारों एवं यंत्रों की पूरे विधि-विधान से पूजा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पारंपरिक पर्व हरेली तिहार के अवसर पर नवा रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में उत्सव का रंग देखने को मिल रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय हरेली तिहार कार्यक्रम में शामिल हुए और छत्तीसगढ़ी परंपरा के अनुरूप कृषि औजारों एवं यंत्रों की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की।

मुख्यमंत्री साय ने कृषि उपकरणों की पूजा कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। हरेली के मौके पर मुख्यमंत्री निवास में छत्तीसगढ़ की लोके संस्कृति और कृषि परंपराओं की झलक नजर आई।

कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के साथ मंत्री रामविचार नेताम, लक्ष्मी राजवाड़े, टंकराम वर्मा और गुरु खुशवंत साहेब भी मौजूद रहे। सभी ने हरेली तिहार की परंपराओं के अनुरूप पूजा-अर्चना में सहभागिता की। प्रदेशभर से बड़ी संख्या में लोग हरेली तिहार मनाने मुख्यमंत्री निवास पहुंचे हैं। पारंपरिक अंदाज में आयोजित कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ की संस्कृति, खेती-किसानी औक लोक परंपराओं का पारंपरिक रंग देखने को मिल रहा है। कार्यक्रम में आने वाले लोगों को फरा-चिल्ला बांटा जा रहा है। इसके साथ ही कई तरह के पारंपरिक पकवान भी बनाए गए हैं। मुख्यमंत्री निवास को भी भव्य तरीके से सजाया गया है।

पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना के बैरक में मिला मोबाइल

बंगलूरू। उच्च सुरक्षा वाली परप्पना अग्रहारा केंद्रीय जेल में मंगलवार दोपहर सेंट्रल क्राइम ब्रांच की टीम ने अचानक धावा बोला। चार-पांच घंटे चले इस तलाशी अभियान में जेल में बंद कई हाई-प्रोफाइल कैदियों और अन्य बंदियों की बैरकों की गहन जांच की गई। इसी दौरान अधिकारियों को पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना के पास से एक चालू एंड्रॉयड स्मार्टफोन मिला, जिसे तुरंत जब्त कर लिया गया। पुलिस महानिदेशक आलोक कुमार ने बुधवार को इस घटना की आधिकारिक पुष्टि की। 6 अगस्त को भी जेल प्रशासन द्वारा रेवन्ना की बैरक का निरीक्षण किया गया था, तब वहां कोई फोन नहीं था।

पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ को रूस ने युद्ध के मामले में आर्बिट्रेटर नियुक्त किया

नई दिल्ली (ए.)। भारत के पूर्व चीफजस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ को रूस ने एक अहम अंतरराष्ट्रीय आर्बिट्रेशन मामले में अपना प्रतिनिधि आर्बिट्रेटर नियुक्त किया है। यह मामला यूक्रेन के सरकारी बैंक ओशचाडबैंक की ओर से रूस के खिलाफ दायर निवेश विवाद से जुड़ा है। इसकी जानकारी ग्लोबल आर्बिट्रेशन रिव्यू की रिपोर्ट में सामने आई है।

विवाद रूस और यूक्रेन के बीच 1998 में हुए द्विपक्षीय निवेश समझौते के तहत चल रही आर्बिट्रेशन कार्यवाही से संबंधित है। ओशचाडबैंक ने यूक्रेन के डोनेत्स्क, लुहांस्क, खेरसॉन और जापोरिज्जिया क्षेत्रों में अपनी संपत्तियों और कारोबारी गतिविधियों को हुए नुकसान का दावा किया है।

बैंक का आरोप है कि 2022 में रूस के सैन्य अभियान के बाद उसकी संपत्तियों और कारोबार को नुकसान पहुंचा। उसने रूस के खिलाफ सैकड़ों मिलियन डॉलर का दावा किया गया है। इस विवाद की सुनवाई तीन सदस्यीय आर्बिट्रेशन ट्रिब्यूनल करेगा। कोस्टा रिका की आर्बिट्रेटर और पूर्व व्यापार मंत्री डायाला जिमेनेज को रूस और ओशचाडबैंक ने संयुक्त रूप से ट्रिब्यूनल का अध्यक्ष चुना है।

शराब के नशे में पहुंचा था स्कूटी मांगने, विधायक रिकेश ने बैठा कर दिया ज्ञान

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। मदद हो या दान, हमेशा सुपात्र को ही करना चाहिए। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन इस कसौटी पर सौ-टका खरा उतरते हैं। शराब के नशे में एक दिव्यांग ई-स्कूटी के मांग लेकर उनके पास पहुंचा तो विधायक ने प्यार से पहले उसे बैठाया और फिर समझाया कि ई-स्कूटी उसे तभी जी सकेगी जब वह नशा करना छोड़ देगा।

सुपेला निवासी एक दिव्यांग युवक ई-स्कूटी की मांग लेकर शांति नगर स्थित विधायक कार्यालय पहुंचा। वह सड़क से ही जोर-जोर से आवाज देने लगा। आवाज सुनकर विधायक स्वयं गेट तक पहुंचे और युवक को सम्मानपूर्वक कार्यालय में ले गये।

लड़खड़ाती जुबान और व्यवहार से उसके नशे में होने के संदेह पर यातायात विभाग की टीम को बुलाकर ब्रेथ एनालाइजर से जांच कराई गई। जांच में युवक के शराब के नशे में होने की पुष्टि हुई।

विधायक रिकेश सेन ने युवक को डांटने या अपमानित करने के बजाय बेहद सहज सरल भाषा में उसे समझाइश दी। उन्होंने कहा कि वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के दिव्यांगजनों को नियमानुसार ई-स्कूटी उपलब्ध कराने की पहल का उद्देश्य उन्हें आत्मनिर्भर बनाना और रोजगार व रोजमर्रा की जरूरतों के लिए आने-जाने में सक्षम बनाना है। लेकिन यदि कोई व्यक्ति शराब के नशे का आदी है और उसी स्थिति में वाहन चलाता है तो यह सुविधा उसके लिए ही नहीं, बल्कि सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों के लिए भी खतरा बन सकती है।

विधायक ने दिव्यांग युवक से शराब छोड़ने की अपील करते हुए उसे भरोसा दिलाया कि नशे से दूर होने के बाद उसे ई-स्कूटी सहित शासन और विधायक की योजनाओं का लाभ दिलाने में हरसंभव सहयोग किया जाएगा।

लेन देन के विवाद में भाई को काट डाला

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। दुर्ग के इंदिरा नगर बघेरा में बुधवार की सुबह बड़े भाई ने छोटे भाई की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी। दोनों भाइयों में पैसों के लेनदेन को लेकर विवाद हुआ था। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी बड़े भाई को गिरफ्तार कर लिया। वहीं मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बघेरा निवासी देवेन्द्र देवांगन व उसके छोटे भाई कैलाश देवांगन के बीच बुधवार तड़के पांच बजे विवाद हुआ। दोनों भाइयों की बघेरा में एक च्वाइस सेंटर है और इसकी आमदनी व लेनदेन को लेकर दोनों के बीच कुछ समय से विवाद चल रहा था।

सुबह पांच बजे शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते इतना बढ़ गया कि देवेंद्र ने घर में रखी कुल्हाड़ी से कैलाश पर हमला कर दिया। हमला इतना गंभीर था कि कैलाश बुरी तरह घायल होकर वहीं गिर पड़ा। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

आसपास के लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस की टीम इंदिरा नगर बघेरा पहुंची। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल की जांच की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने आरोपी देवेंद्र देवांगन को मौके से गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

फसल को बचाने के लिए किसानों ने की गंगरेल से पानी छोड़ने की मांग

श्रीकंचनपथ समाचार

धमतरी। बीते करीब 15 दिनों से बारिश का पर्याप्त साथ नहीं मिलने के कारण जिले के कई इलाकों में खेतों में नमी कम होने लगी है। ऐसे में किसानों की चिंता बढ़ गई है। खासकर उन क्षेत्रों में स्थिति अधिक गंभीर है, जहां सिंचाई के लिए भूमिगत जल स्रोत उपलब्ध नहीं हैं। किसानों की परेशानी को देखते हुए अब गंगरेल बांध से नहरों के जरिए खेतों तक पानी पहुंचाने की मांग उठने लगी है।

नगर निगम के लोक निर्माण विभाग अध्यक्ष विजय मोटवानी ने संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों को पत्र लिखकर जल्द आवश्यक कदम उठाने की मांग की है। वर्तमान में गंगरेल बांध में पर्याप्त जल उपलब्ध है, इसलिए फसल की जरूरत को देखते हुए समय रहते नहरों के माध्यम से पानी छोड़ा जाना जरूरी है।

विजय मोटवानी ने पत्र में मुख्य नहर से जुड़ी वितरक शाखा क्रमांक 1, 2 और 3 के अंतर्गत आने वाले गांवों के खेतों तक पानी पहुंचाने की आवश्यकता पर जोर दिया है।

पीएम मोदी ने किया पूर्व राष्ट्रपति कोविंद की बायोग्राफी का विमोचन

रील्स के दौर में शार्टकट न अपनाएं, दूसरों के संघर्षों से लें प्रेरणा : मोदी

नई दिल्ली (ए.)। पीएम मोदी ने बुधवार को पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की बायोग्राफी 'ट्रायम्फ ऑफ द इंडियन रिपब्लिक: माय लाइफ, माय स्ट्रगल्स' लॉन्च की। इस दौरान उन्होंने युवाओं से दूसरों के संघर्षों से सीखने और आत्मकथाएं पढ़ने की अपील की।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा- आज रील्स का दौर है। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर आपको कहीं और ले जाते हैं, लेकिन इस दौर में भी रेलवे स्टेशनों पर लिखी बात याद रखें कि शॉर्टकट न अपनाएं। शॉर्टकट आपको छोटा कर देगा।

कार्यक्रम में पीएम मोदी, लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला, रामनाथ कोविंद और उनकी पत्नी सविता कोविंद मौजूद रहीं।

कार्यक्रम में पीएम मोदी, लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला, रामनाथ कोविंद और उनकी पत्नी सविता कोविंद मौजूद रहीं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि कोविंद का जीवन दिखाता है कि दृढ़ संकल्प से कोई व्यक्ति मुश्किलों को पार कर देश के सबसे बड़े संवैधानिक पद तक पहुंच सकता है। उन्होंने कहा कि कोविंद की आत्मकथा भारतीय लोकतंत्र की विरासत बनेगी और नई पीढ़ी इससे बहुत कुछ सीख सकती है।

राष्ट्रपति पद छोड़ने के बाद कोविंद रुके नहीं हैं और वन नेशन, वन इलेक्शन हल पर काम कर रहे हैं।

आत्मकथा पढ़ने से उस दौर को समझने का मौका मिलता है, जिसे लेखक ने खुद जिया है। हमें भविष्य में कोविंद जैसे और युवा चाहिए। ऐसे लोग, जो परिस्थितियों से हार न मानें और हर चुनौती का सामना करने का दृढ़ संकल्प रखें।

आत्मकथा का नाम बिल्कुल सही है। कोविंद का जीवन और संघर्ष भले ही निजी थे, लेकिन उन संघर्षों की जीत भारतीय लोकतंत्र की है।

इस अवसर पर श्री कोविंद ने कहा कि वे उत्तर प्रदेश के कानपुर देहात के एक गांव से आता हैं। घर की छत से बारिश का पानी अंदर टपकता था। आज करोड़ों गरीब परिवारों को सरकारी आवास योजनाओं के तहत पक्की छत मिली है, जिससे उन्हें सम्मान के साथ रहने का अवसर मिला है।

पीएम मोदी के साथ बातचीत और आम कार्यकर्ताओं से जुड़ने की उनकी क्षमता ने भी मुझे प्रभावित किया। मैंने भारतीय जनता पार्टी से इसलिए जुड़ना चुना, क्योंकि पार्टी वंशवाद और समुदाय से ऊपर राष्ट्र को प्राथमिकता देती है।

संपादकीय

पैलेट के जख्म

पुलिस कार्रवाई की स्थिति स्पष्ट करे सरकार

इसमें दो राय नहीं कि किसी आंदोलन के दौरान आंदोलनकारियों के किन्हीं परिस्थितियों में उग्र होने और जन-धन की हानि रोकने के लिए पुलिस-प्रशासन को कार्रवाई करनी होती है। इसमें भी दो राय नहीं है कि राज्य के पास हिंसा को रोकने और कानून-व्यवस्था को बनाये रखने के लिए पर्याप्त शक्तियां हैं। लेकिन प्रश्न इस बात का भी है कि लोकतांत्रिक तरीके से हो रहे विरोध को रोकने के लिए प्रयोग की गई ताकत का स्तर क्या रहा। जाहिर है राष्ट्रविरोधी ताकतों, हिंसक भीड़ तथा छात्रों के आंदोलन को एक ही तौर-तरीके से नहीं निपटा जा सकता है। इसी आलोक में सवाल पैदा होता है कि जंतर-मंतर से शुरू हुए संसद चलो मार्च को रोकने के लिए इस्तेमाल की गई ताकत क्या जरूरी थी? क्या उचित तरीके से अधिकृत थी? ऐसा ही विवाद इस आंदोलन के दौरान पैलेट गन के इस्तेमाल को लेकर खड़ा हुआ है। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने शुरुआत से ही पैलेट गन के इस्तेमाल से इनकार किया। जबकि बाद में जनरल डायरी में यह दर्ज किया गया कि रैपिड एक्शन फोर्स ने एंटी-रायट गन से दो राउंड फायरिंग की थी। वहीं दूसरी ओर छात्र प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग को लेकर विपक्षी दल सरकार पर लगातार हमलावर रहे हैं। खासकर, कांग्रेस नेतृत्व वाले विपक्ष ने गृह मंत्री पर पैलेट गन के इस्तेमाल को लेकर तीखे प्रहार किए हैं। वे बाकायदा गृह मंत्री के इस्तीफे को लेकर लगातार अभियान चलाते रहे हैं। इसी बीच सूचना के अधिकार के तहत दिल्ली के दो अस्पतालों से एकत्र की गई जानकारी के अनुसार बीस जुलाई को छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान कम से कम दस लोगों को पैलेट गन से चोट लगी थी। इन अस्पतालों में पैलेट गन से आहत छात्रों ने उपचार कराया था। निस्संदेह, पैलेट गन से घायल होने वालों का यह आंकड़ा इसलिए भी अहम है क्योंकि यह एक आधिकारिक रिकॉर्ड पर आधारित है, न कि किसी बिना पुष्टि वाले दावों पर आधारित है।

> “ इसी आलोक में सवाल पैदा होता है कि जंतर-मंतर से शुरू हुए संसद चलो मार्च को रोकने के लिए इस्तेमाल की गई ताकत क्या जरूरी थी? क्या उचित तरीके से अधिकृत थी? ऐसा ही विवाद इस आंदोलन के दौरान पैलेट गन के इस्तेमाल को लेकर खड़ा हुआ है। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने शुरुआत से ही पैलेट गन के इस्तेमाल से इनकार किया। जबकि बाद में जनरल डायरी में यह दर्ज किया गया कि रैपिड एक्शन फोर्स ने एंटी-रायट गन से दो राउंड फायरिंग की थी।

दरअसल, पैलेट गन की जद में आये छात्रों के अनुभव परेशान करने वाले रहे हैं। खबरों के अनुसार, कुछ प्रदर्शनकारियों के चेहरों, छाती और आंखों पर चोट आई है। आशंका व्यक्त की जा रही है कि एक छात्र की आंख की रोशनी भी जा सकती है। सार्वजनिक विमर्श में सवाल उठाये जाते रहे हैं कि छात्र आंदोलनकारियों के विरुद्ध पैलेट गन का इस्तेमाल करने का तार्किक आधार क्या है। वहीं दूसरी ओर कानून-व्यवस्था बनाये रखने के दौरान मेटल पैलेट गन पर रोक लगाने की मांग को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने भी हाल ही में कहा था कि मौजूदा नियमों के तहत विशेष परिस्थितियों में इनका इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने ऐसे हथियार रखने की कानूनी वैधता और किसी खास घटना में इनके गलत इस्तेमाल के आरोपों के बीच फर्क किया है। निस्संदेह, इस फर्क की सूक्ष्मता से जांच होनी चाहिए। इसके इस्तेमाल के बाद किसी तरह का विवाद न हो, इसलिए स्थिति को साफ करने के लिए पारदर्शिता अपनाना भी बेहद जरूरी है। इससे जुड़े कई तथ्यों को लेकर सावधानी बरती जानी चाहिए, जिसमें गोला-बारूद का पर्याप्त रिकॉर्ड रखना, सीसीटीवी फुटेज, बॉडी कैमरा रिकॉर्डिंग, वायरलेस की बातचीत का रिकॉर्ड और साथ ही मेडिकल रिकॉर्ड भी सुरक्षित रखा जाना जरूरी है। साथ ही इन तथ्यों की स्वतंत्र जांच की जानी भी जरूरी है। वहीं दूसरी ओर सरकार का भी दायित्व बनता है कि भीड़ को काबू करने में पैलेट गन के इस्तेमाल से जुड़े तमाम नियम स्पष्ट रूप से बताए जाएं। वहीं दूसरी ओर यदि इनका अंधाधुंध प्रयोग किया गया हो तो इसके लिये जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना भी बेहद जरूरी है। इस तथ्य से भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि भारत में विरोध करने का अधिकार एक घोषित संवैधानिक स्वतंत्रता है। इसकी रक्षा के लिए संयम की जरूरत अपरिहार्य शर्त है। यह दोनों तरफ से जरूरी है- प्रदर्शनकारियों और सरकार की तरफ से। लेकिन विडंबना है कि अक्सर देश में पुलिस व सुरक्षाबल छात्रों के धरनों व प्रदर्शनों के दौरान बात-बात पर निर्ममता से लाठी भांजते नजर आते हैं।

समावेशी, पारदर्शी सरकारी खरीद का बेहतरीन प्लेटफॉर्म है जेम

पीयूष गोयल

सरकारी खरीद के लिए सरकार का ई-मार्केटप्लेस (जेम) वैश्विक स्तर पर एक पारदर्शी, समावेशी और कुशल प्लेटफॉर्म के रूप में उभरा है, जो 1.37 लाख सरकारी खरीदारों को 25 लाख विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं से जोड़ता है।

जेम प्लेटफार्म की विशेषता है कि यह खरीद से जुड़ी सभी प्रमुख गतिविधियों को एक बड़े डिजिटल मार्केटप्लेस में एकीकृत करता है। यह वैश्विक सर्वोत्तम तौर-तरीकों को सरकार के समावेशी विकास के साथ जोड़ता है, जिससे यह पीएम मोदी के विकासित भारत 2047 के विजन को आगे बढ़ाने वाला इंजन बन जाता है।

2016 में पीएम द्वारा इस परिवर्तनकारी डिजिटल पहल की शुरुआत के एक दशक में, जेम ने भ्रष्टाचार को मिटाकर और स्टार्टअप, एमएसएमई, महिला उद्यमियों और छोटे शहरों के व्यवसायों को बढ़ावा देकर, सरकारी खरीद में क्रांति ला दी है। उपयोगकर्ता-अनुकूल यह प्लेटफ़ॉर्म वास्तव में एक रत्न है, जिसने विवादित आपूर्ति और निपटान महानिदेशालय की जगह ली है, जिसकी प्रणालियाँ अस्पष्ट और गैर-प्रतिस्पर्धी थीं। इससे खरीदारी प्रणाली के केवल कुछ सुविधा-प्राप्त लोगों को ही अनुचित फायदा मिलता था। यह उचित है कि वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय का नया, आधुनिक कार्यालय, वाणिज्य भवन, उसी ज़मीन पर बना है, जहाँ कभी वह पुरानी और संदिग्ध प्रतिष्ठा वाली संस्था हुआ करती थी। वाणिज्य और उद्योग के मंत्री के रूप में, मुझे गर्व है कि जेम, जिसे 9 अगस्त 2016 को लॉन्च किया गया था, अपनी शानदार सेवा के दस साल पूरे कर रहा है। यह सिर्फआंकड़ों का जश्न मनाने वाला पड़ाव नहीं है; बल्कि यह इस बात में एक बुनियादी और सफल बदलाव है कि कैसे सरकारी खरीद देश के निर्माण में योगदान देती है।

पारदर्शिता, व्यवसाय करने में आसानी

उत्पाद खोजने और बोली लगाने से लेकर अनुबंध देने और भुगतान करने तक, पूरी खरीद प्रक्रिया को डिजिटल बनाकर जेम ने मनमाने फैसलों को खत्म किया है, निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दिया है और लोगों के भरोसे को मजबूत किया है। हर लेन-देन का एक डिजिटल रिकॉर्ड बनता है जिसकी जांच की जा सकती है; इससे जवाबदेही बढ़ती है और सरकारी खरीद के प्रति निष्ठा मजबूत होती है।

जेम पीएम मोदी के व्यवसाय करने में आसानी मिशन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। एकल डिजिटल विंडो, आसान पंजीकरण, मानकीकृत प्रक्रिया और नियमित नीतिगत सुधार - जैसे अमानत राशि को ख़त्म करना और लेन-देन शुल्क को युक्तिसंगत बनाना के जरिये जेम ने भागीदार बनने की बाधाओं को काफी हद तक कम किया है, जिससे सरकारी खरीद तक पहुंच आसान हो गयी है।

आत्मनिर्भर भारत

जेम ने आत्मनिर्भरता और स्वदेशी उद्यमों को बढ़ावा देने के लक्ष्य को मजबूती से आगे बढ़ाया है। घरेलू निर्माताओं और सेवा प्रदाताओं को प्राथमिकता देकर, इसने स्थानीय मूल्य श्रृंखलाओं को मजबूत किया है और देशी उत्पादन को प्रोत्साहित किया है।

पोर्टल पर दिया गया हर ऑर्डर भारत की निर्माण क्षमता और आर्थिक संप्रभुता में एक निवेश है। खास बात यह है कि जेम में मात्रा के आधार पर लगभग 60त्न ऑर्डर और सकल माल मूल्य (जीएमवी) में 45% से ज़्यादा की हिस्सेदारी सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसई) की है।

समावेशी सरकारी खरीद

जेम, पीएम मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास' मिशन के अनुरूप समावेशी विकास का एक महत्वपूर्ण इंजन के रूप में सेवाएं देता है। यह स्टार्टअप्स, छोटे व्यवसायों और महिलाओं द्वारा संचालित उद्यमों को बिना किसी बाधा या मध्यस्थ के सरकारी खरीदारों के सामने अपने उत्पादों और सेवाओं को आसान तरीके से पेश करने का मौका देता है।

प्रवेश करने की बाधाओं को खत्म करके और सरकारी खरीद तक पहुंच को लोकतांत्रिक बनाकर, जेम ने पूरे देश के छोटे व्यवसायों को राष्ट्र-निर्माण में सक्रिय भागीदार बनने और उस व्यावसायिक क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए सशक्त बनाया है, जिस पर कभी स्थापित कंपनियों का दबदबा हुआ करता था।

जेम के माध्यम से 12 लाख से अधिक सूक्ष्म और लघु उद्यमों ने 9 लाख करोड़ रुपये से अधिक के सरकारी ऑर्डर पूरे किए हैं। 2.20 लाख से ज्यादा महिला उद्यमियों ने 99,713 करोड़ रुपये से अधिक के ऑर्डर हासिल किए हैं, जबकि 42,000 से अधिक स्टार्टअप्स ने 65,600 करोड़ रुपये से अधिक के ऑर्डर पूरे किए हैं। जेम ने 69,000 से ज्यादा एससी/एसटी उद्यमियों को सरकारी खरीद में भाग लेने का अवसर दिया है, और उन्होंने 23,145 करोड़ रुपये से अधिक के ऑर्डर पूरे किए हैं।

विकास का उत्प्रेरक

ये उपलब्धियाँ इस बात की फिर से पुष्टि करती हैं कि जेम की भूमिका एक डिजिटल खरीद प्लेटफॉर्म से कहीं ज़्यादा है। यह प्लेटफार्म समावेशी विकास, उद्यमिता और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए उत्प्रेरक है, जो सुनिश्चित करता है कि हर योग्य उद्यम को भारत के विकास में योगदान देने का समान अवसर मिले।

कई मायनों में, जेम की यात्रा 'विकसित भारत 2047' की आकांक्षाओं को दर्शाती है, जो प्रधानमंत्री के विकसित भारत के विजन के अनुरूप है एक ऐसा भारत जो पारदर्शी, समावेशी, नवोन्वेषी और डिजिटल रूप से संप्रभु हो।

हम जेम के दूसरे दशक में प्रवेश कर रहे हैं, हमारा विज़न इसे एक स्मार्ट, हरित और विश्व-स्तरीय प्लेटफ़ॉर्म के रूप में विकसित करना है, जो नई तकनीकों का उपयोग करता है और साथ ही हितधारकों, खासकर हमारे नवोन्मेषियों, स्टार्टअप्स, छोटे कारोबार, महिलाएं, युवा और छोटे शहरों और वंचित वर्गों से आने वाले उद्यमियों की भागीदारी को बढ़ाता है ।

भारत के सबसे सफल डिजिटल सरकारी खरीद इकोसिस्टम्स में से एक के रूप में, जेम यह दिखाता है कि कैसे तकनीक, डेटा विश्लेषण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उपयोगकर्ता-केंद्रित डिज़ाइन सार्वजनिक खर्च में गति, दक्षता और पैसों की सही कीमत प्रदान कर सकते हैं। पिछले दो वित्त वर्षों में, इस प्लेटफॉर्म का वार्षिक जीएमवी 5 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है, जिससे इसका कुल मूल्य लगभग 20 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इसमें अब 10,644 उत्पाद श्रेणियां और 350 सेवा श्रेणियां शामिल हैं।

चाहे वह जीवन रक्षक दवाइयाँ और टीके हों, जो अस्पतालों तक तेजी से पहुँच रहे हैं, रक्षा सामग्री और ड्रोन हों, जो कुशलता से पहुंचाए जा रहे हैं, उच्च गुणवत्ता वाले उपकरण हों, जो कक्षाओं को बदल रहे हैं, या विश्वसनीय अवसंरचना हो, जो गांवों को सशक्त बना रही है - पारदर्शी और कुशल खरीद सार्वजनिक सेवाओं की उच्च गुणवत्ता और संसाधनों का इष्टतम उपयोग सुनिश्चित करती है।

इस बदलाव के सच्चे लाभार्थी भारत के नागरिक हैं। आईआईटी दिल्ली के एक अध्ययन (जुलाई-अगस्त, 2026) में पाया गया कि जेम के माध्यम से खरीदारी से पिछले तीन वित्त वर्षों (वित्त वर्ष 2023-24 से 2025-26) में 86,571.69 करोड़ रुपये का आर्थिक लाभ हुआ, जिसमें कीमत और प्रक्रिया की दक्षता से हुई बचत शामिल है। इसी तरह, अध्ययन में जेम के 101 उत्पादों की तुलना फ्लिपकार्ट, अमेज़न, इंडियामार्ट जैसे प्लेटफार्मों पर उपलब्ध समान वस्तुओं से की गई। इसमें पता चला कि जेम की कीमतें 74.3% वस्तुओं के सन्दर्भ में सस्ती थीं, जिससे लगभग 13.6% की कुल बचत हुई। जेम पोर्टल भारत की आर्थिक वृद्धि और पीएम मोदी के विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण इंजन के रूप में कार्यरत है। यह समाज के वंचित वाले वर्गों को सशक्त बनाता और उनका उत्थान करता है तथा उद्यमिता को बढ़ावा देता है। साथ ही यह सुनिश्चित करता है कि टैक्स देने वालों का पैसा प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों को कुशलतापूर्वक खरीदने में इस्तेमाल हो।

लेखक केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री हैं

आंकड़ों की बाजीगरी और यथार्थ की अनदेखी

डॉ. जगमती सांगवान

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य एवं कल्याण सर्वे का उद्देश्य देश में प्रजनन दर, मृत्यु दर, परिवार नियोजन और मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य पर आवश्यक आंकड़े प्रदान करना है। यह सर्वे हर पांच साल में स्वास्थ्य व परिवार कल्याण में उभरती चुनौतियों को दर्शाते हुए भविष्य के नीति निर्धारण को डेटा-बेस्ड व वैज्ञानिक आधार प्रदान करता है। इसके चक्र-6 के आंकड़े हाल ही में मई में प्रकाशित किए गए।

उल्लेखनीय है कि यह सर्वे ही भविष्य के नीति निर्धारण का आधार बनता है। इसके बिना नागरिक तथा नीति-निर्धारक आदि सरकार की नीतियों का विश्लेषण आंकड़ों की बजाय सरकारी आख्यानों के आधार पर करने को मजबूर होते हैं। लेकिन इन आंकड़ों को जारी करने में जान-बूझकर विलंब तथा अनावश्यक हस्तक्षेप के जरिए सरकार ने इसकी नीतियों के सर्वे-आधारित विश्लेषण के आधार को ही छीन लिया।

एनएफएचएस-5 (2019 से 2021) व इससे पहले के सर्वे चक्र में 131 प्रमुख संकेतकों की स्थिति दिखाई जाती रही। ताज़ा सर्वे में केवल 101 संकेतकों की स्थिति ही दर्शाई गई है। इस तरह कुछ प्रमुख संकेतकों को नजरअंदाज कर दिया गया है; जैसे- खून की कमी की व्याप्ति, शिशु मृत्यु दर, प्रजनन क्षमता तथा आबादी, जन्म के समय लिंगानुपात, रसोई के स्वच्छ ईंधन तक पहुंच, सैनिटाइजेशन कवरेज, एचआईवी व कैंसर संबंधी जांच आदि। इस तरह से उन सभी संकेतकों को लगभग निकाल दिया गया, जिन पर सरकार का प्रदर्शन सबसे कमजोर था।

यह बहु-प्रचारित योजनाओं की जांच-परख से बचने और छांट-छांट कर गरीबी, शिशु पोषण और महिला स्वास्थ्य की विफलताओं पर पर्दा डालने का मसला भी है। व्यापक स्तर पर यह इस तथ्य को छिपाने की ही कोशिश है कि बाजार सुधार के नाम पर चलाई जा रही नीतियों से हम राष्ट्र के तौर पर निर्धनतम तबकों जैसे महिलाएं, बच्चे और गरीबों की कीमत पर निजी अस्पतालों और स्वास्थ्य उद्योग को फायदा पहुंचाने में लगे हुए हैं। एनएफएचएस-6 में केवल पहले से चले आ रहे संकट को हटाया ही नहीं, बल्कि विकृत स्वास्थ्य प्राथमिकताओं के रुझानों को पोषित करने के लिए कुछ नए संकेतक तक भी जोड़ दिए गए हैं।

इनका जोर अल्पपोषण की बजाय जीवनशैलीगत संकेतकों की तरफ ज्यादा है, मसलन- मोटापा। याद रहे, दक्षिण एशिया में गैर-संचारी रोगों से होने वाली मौतों की आधी संख्या भारत में होती है। फिर भी, नीतिगत प्राथमिकताओं का अल्पपोषण से मोटापे की तरफ मोड़ना एक खास दृष्टिकोण का संकेतक है। हमारे यहां 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों में ठिगनापन 29.3 प्रतिशत पर है, दुबलापन 31.8 प्रतिशत, अल्प विकास 19.0 प्रतिशत तथा अत्यधिक अल्प विकास 5.02 प्रतिशत पर है।

देश में 6 से 23 महीने के बच्चों में केवल 15.3 प्रतिशत को ही पर्याप्त खुराक मिल पाती है। स्तनपान से पोषण 63.7 प्रतिशत से घटकर 55 प्रतिशत पर आ गया है। मोटे तौर पर हर पांच में से एक स्त्री-पुरुष अब भी दुबला या अंडरवेट है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ इस स्थिति को महामारिगत ध्रूवीकरण कहते हैं, जहां किसी आबादी के बीच स्वास्थ्य संबंधी नतीजे समूहों के बीच बढ़ते पैमाने पर विभाजित होते जाते हैं। इसमें रुग्णता, जीवन प्रत्याशा और स्वास्थ्य रक्षा तक पहुंच के संबंध में समूहों के बीच खाई बढ़ती जाती है। रक्त अल्पता के आंकड़ों को हटाकर मोटापे के आंकड़े को जोड़ना स्वास्थ्य स्थिति की अधूरी तस्वीर ही सामने लाता है, जिसमें पोषणगत बुनियादी विफलताओं को किनारे किया जाता है।

सबसे नाटकीय ढंग से रक्ताल्पता के आंकड़ों को नजरअंदाज किया गया है। एनएफएचएस-5 में संकट बढ़ने की जानकारी सामने आई थी। 5 साल से कम आयु के बच्चों में खून की कमी 58.6 प्रतिशत से बढ़कर 67.1 प्रतिशत हो गई थी और 15 से 49 वर्ष आयु तक की महिलाओं के बीच यह 57 प्रतिशत थी, जिससे 'रक्ताल्पता मुक्त भारत योजना' पर सवाल उठे थे। इसी प्रकार, जन्म के समय लिंगानुपात हटा दिया गया है, जबकि यह लैंगिक भेदभाव का सबसे सशक्त संकेतक माना जाता है। एक स्वास्थ्य सर्वे जवाबदेही का औजार भी है। इसमें से सरकार की नीतियों की विफलताएं सामने लाने वाले संकेतकों को हटा देना गंभीर मसला है। हटाए जाने का पैटर्न भी अपनी कहानी कहता है।

इसी प्रकार, स्वच्छ भारत मिशन में 10 करोड़ शौचालय बनवाने के बाद 2019 में सरकार ने भारत को खुले में शौच से मुक्त घोषित कर दिया था। इसके बावजूद एनएफएचएस-5 में पता चला था कि 19 प्रतिशत परिवारों को शौचालय की सुविधा मिली ही नहीं थी। उसे भी चक्र-6 में हटा दिया गया है। स्त्री व पुरुष नलबंदी में 70:1 का भारी अंतर दशकों से जस का तस बना हुआ है। जेम्स ने इन आंकड़ों को हटाने से मना कर दिया था और उन्हें निलंबित कर दिया गया।

भारतीय डिजिटल क्षमता की चौथी पंक्ति

लेफ्टिनेंट जनरल एसएस मेहता सेवानिवृत्त

भाग-II

देश को ऐसा राष्ट्रीय सिस्टम बनाने की जरूरत है, जो एक नागरिक की असल योग्यता, कौशल और अनुभव का ताउम्र प्रमाणित रिकॉर्ड रखे। आधार, यूपीआई और डिजिलॉकर जैसी यह व्यवस्था अवसरों को डिग्री से नहीं, क्षमता से जोड़े। ऐसी व्यवस्था, जिसमें सर्टिफिकेशन स्वतंत्र हो, मूल्यांकन भरोसे का। डिग्री उपयोगी हों। तरक्की के समान अवसर मिलें। देश इसी तरह कौशल केंद्र बन सकेगा।

काबिलियत, जब इसे बोलने को मौका मिले, तो अभी भी जन्मजात कुलीनों को धूल चटाने में सक्षम है। 1911 में, कलकत्ता के मैदान पर, नंगे पैर खेलने वाली मोहन बागान टीम ने बूट पहने हुए अंग्रेज़ रेजिमेंट को हराकर आईएफए शील्ड जीती थी। इससे परतंत्र देश को अहसास हुआ कि बराबरी के मैदान पर शासकों का मुकाबला किया जा सकता है और उन्हें हराया जा सकता है। यह कोई संयोगवश एकल घटना नहीं थी। 1956 में मेलबर्न में, भारत ओलंपिक फुटबॉल के सेमीफाइनल तक पहुंचा; ऐसा करने वाली वह तब तक की इकलौती एशियाई टीम थी। यह सीख पुरानी नहीं पड़ी। कुछ हफ़्ते पहले ग्लासगो में, दक्षिण त्रिपुरा के बेलोनिया वासी और साइकिल मैकेनिक की बेटी अस्मिता डे ने भारत के लिए पहला कॉमनवेल्थ जूडो गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने फाइनल में एक कनाडाई खिलाड़ी को 'सडन डेथ' (अतिरिक्त समय) में हराया। पैदाइश उन्हें साइकिल मिस्त्री के घर मिली, लेकिन काबिलियत के दम पर वह ग्लासगो तक पहुंची। खेल की भाषा में विवेकानंद का तर्क भी यही है, जो साम्राज्य के विरुद्ध सही साबित हुआ और फिर आज़ादी बाद भी। पूर्णता इंसान के भीतर होती है, और उसे किसी कुलीन या उच्च घराने में जन्म लेने की इजाजत नहीं चाहिए।

इस लेख के पहले भाग में कीमत और समाधान की बात थी। कोई हल्की-फुल्की जांच नहीं, बल्कि एक अन्य उपकरण या सिस्टम। हम उसे ही बना रहे हैं।

कमरे का निर्माण एवं डिजिटल प्रौद्योगिकी समूह : पहला अंदेशा कि भारत बहुत बड़ा और बहुत गरीब देश होने के कारण ऐसी चीज़ नहीं बना सकता; लेकिन भारत पहले ही इसका जवाब दे चुका है। आधार कार्ड प्रणाली ने आबादी के बड़े स्तर पर वह समस्या हल की जिस पर काबिलियत का रिकॉर्ड टिका है, व्यक्ति कौन है, इसकी पक्की पहचान। फिर यूपीआई ने उस पहचान के ज़रिए वित्तीय लेन-देन संभव बनाया। आज कुल वैश्विक रियल टाइम वित्तीय लेन-देन का करीब आधा हिस्सा यूपीआई के ज़रिए हो रहा। यह व्यवस्था पुरानी इकोनॉमीज द्वारा निर्मित किसी भी प्रणाली के मुकाबले सस्ती व तेज़ है। डिजीलॉकर ने तीसरा सिद्धांत स्थापित किया। नागरिक अपने प्रमाण-पत्र डिजिटल प्रारूप में अपने साथ कहीं भी ले जा पाए,जो भरोसेमंद, सत्यापन योग्य, हर जगह उपलब्ध और मान्य हो। जिस देश ने ये तीन चीज़ें बना ली हों, उससे अब कुछ नया प्रयास करने को नहीं कहा जा सकता। पहचान से यह तय होता है कि आप कौन हैं। पेमेंट से यह कि क्या ट्रांसफर कर सकते हैं। वहीं डॉक्यूमेंट से यह कि क्या साबित कर सकते हैं। कैपेबिलिटी स्मार्ट कार्ड स्थापित करेगा कि आप क्या कर सकते हैं। ढांचा वही, एक और मंजिल के साथ, भारत की डिजिटल क्षमता की चौथी परत।

यह साधन एक राष्ट्रीय क्षमता संरचना है, एक भरोसेमंद और गतीशील रिकॉर्ड, इस बारे में कि

कोई व्यक्ति असल में क्या कर सकता है, जीवनपर्यंत साथ चलने वाला, नागरिक के पास वह कार्ड जो आज के दिन पक्के पहचान पत्र जैसा है। वक्त-वक्त पर सत्यापित करके इसमें नई जानकारी जुड़ सकती है, केवाईसी की तरह। इसमें डिग्री केवल आखिरी पन्ना न होकर एक अध्याय है। कारखाने में सिद्ध किया कौशल हो या रेजिमेंट, या अस्पताल या फिर कार्यक्षेत्र का अनुभव, सब उसी रिकॉर्ड में हो, उसी तरह अंकों अथवा ग्रेडिंग में, जैसे पढ़ाई में होता था।

भरोसे का गोल्ड स्टैंडर्ड : भारत प्रमाणपत्र जारी करने में नाकाम नहीं रहा। बस उनका कोई मोल डलवाने में विफल रहा। बीस में से बमुश्किल एक कारीगर के पास औपचारिक कौशल प्रमाणपत्र होता है, जबकि जर्मनी में चार में से लगभग तीन के पास और दक्षिण कोरिया में हर किसी कामगार के पास ऐसा प्रमाणपत्र होता है, और हमारा वह कागज़ अक्सर न तो भरोसा दिला पाता है, न रुतबा और न ही बेहतर वेतन। प्रमाणपत्र तब तक मूल्यविहीन है जब तक वह भरोसेमंद न हो, और भरोसे की एक खास शर्त होती है। जो सिखा रहा है, वह प्रमाणपत्र जारी नहीं करेगा। ब्रिटेन में 'सिटी एंड गिल्ड्स' जैसी संस्थाएं स्वतंत्र रूप से मानकीकरण व मूल्यांकन स्थापित करती हैं, यह उस नियोक्ता या कारखाने से इतर हैं, जहां काबिलियत हासिल की गई। यह अलहदगी योग्यता को कहीं भी मान्य व भरोसेमंद बनाती है। भारत की मुश्किल प्रमाणकर्ता की कमी नहीं है। पर इसके प्रमाणकर्ताओं का भरोसा नहीं है। कॉलेजों और तकनीकी संस्थानों को मान्यता देने के लिए बनाई गई संस्थाएं अक्सर उसी संरक्षण-तंत्र का हिस्सा बन जाती हैं, जिनकी निगरानी करने लिए उन्हें बनाया गया है; इनमें नियुक्तियां योग्यता की बजाय सिफारिशों से होती हैं, जब मान्यता देने वाली संस्था न तो स्वतंत्र हो और न ही निष्पक्ष, तो उसकी मुहर का क्या मोल। जो प्रमाणकर्ता खुद उसी व्यवस्था का हिस्सा बन जाए, जिसकी जांच करनी है, तो यह रबर स्टैम्प भर है।

भारत को ऐसा प्रमाणकर्ता बनाने होंगे जो खुद प्रशिक्षित न करते हों लेकिन जिनके दिए प्रमाणपत्र पर हर कोई भरोसा करे। उसकी स्वतंत्रता ढांचागत हो : एक कानूनी संहिता, निश्चित पेशेवर कार्यकाल, प्रकाशित मानक, अनाम आकलनकर्ता, पड़ताल करने को मौजूद खुले परिणाम और जिन संस्थाओं को वह प्रमाणित करे, उनका किसीतरह प्रतिनिधित्व न करने वाले। वह प्रमाणपत्र को जीवंत रखे, असल कार्य प्रवाह के जरिए पुनर्वैधता होती रहे बजाय इसके कि स्नातक स्तर पर फिक्स हो जाए। प्रामाणिकता से श्रेय तक : एक प्रमाणपत्र जो अपटुडेट एवं भरोसेमंद हो न कि महज यादगार। वह जिससे कर्ज़ दाता की नज़र में व्यक्ति की ऋण अदायगी योग्यता बदल जाए। वेल्डर का सत्यापित कौशल स्तर या नर्स की स्थापित पेशेवर क्षमता उसे कर्ज़ देने का जोखिम कम कर देता है और घटा जोखिम उधार की शुरुआत है। बैंक इनका मूल्य डाल सकता है। नियोक्ता इन पर दांव लगा सकता है। परिवार इनके लिए निवेश कर सकता है। काबिलियत, एक बार प्रमाणित हो जाने पर, ऐसी आर्थिक हैसियत बन जाती है जो व्यक्ति के साथ चलती है व बढ़ती जाती है।

और इसे अवश्य ही दो दिशाओं में आगे बढ़ना चाहिए, क्योंकि एकल सीढ़ी यही असली नाकामी है कि राह एक ही होती है। इसको अगल-बगल में भी बढ़ना चाहिए, ताकि कोई व्यक्ति अगर 40 साल की उम्र में अपनी ज़िंदगी की दिशा बदलना चाहे तो उसे 18 साल की उम्र की तरह फिर से शुरुआत न करनी पड़े; मसलन, तकनीकी कारीगर का उद्यमी बनना, सैनिक का प्रशासक बनना, कार्यानुभव से अर्जित काबिलियत को गेट पर छोड़ आने की बजाय दीवार से पार ले जाना। जो नई बात है वह यह कि वेल्डर और नर्स में भी, बतौर अधिकार, यह आकांक्षा बने कि उनके पास कहीं भी इस्तेमाल हो सकने वाली प्रामाणिकता हो, जिससे अब भाग्य बदल जाए। यह तरक्की अवश्य ऊपर की ओर हो। हमारे यहां यही सबसे ज़्यादा नज़रअंदाज है।

अपनी कामकाजी ज़िंदगी के दौरान एक व्यक्ति ने अपना जो भी मूल्य बनाया है, वह भी एक विरासत है, एकमात्र ऐसी विरासत जिसकी कद्र राष्ट्र को करना चाहिए, और यह ऊपरी पायदान चढ़ती जाए। प्रमाणित दस्तकार इस लायक तरक्की करे कि अपना कौशल सिखा सके, और सिखाने से प्रमाणित करने के स्तर तक। एक मास्टर 'प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस' के तौर पर उस पद तक पहुंचे जिसे उसने मेहनत से हासिल किया। ठहराव की भावना उसे जड़ बना देगी। तरक्की की ललक उसे आगे बढ़ाएगी। कई दरवाज़ों वाला घर भी अधूरा है यदि उसमें ऊपर ले जाने वाली सीढ़ी न हो। मतदान के अधिकार ने हर भारतीय को सरकार के सामने बराबर बना दिया है। एक ऐसा ढांचा जो काबिलियत को भरोसेमंद, उपयोगी और तरक्की करवाने वाला है, हर भारतीय को मौकों के मामले में बराबर बनाता है। वोट एक अधिकार है। तरक्की के मौके एक ज़रिया हैं।

विकसित भारत का ढांचा : आखिर में, लेख के पहले भाग में उल्लेखित उन दो लोगों पर लौटते हैं। जब आने वाली पीढ़ियां पीछे मुड़कर देखेंगी, तो हो सकता है याद करें कि इस बहस की शुरुआत पेपर लीक होने से हुई थी। उन्हें यह पाने दें कि भारत सिर्फ ताला ठीक करने तक नहीं ठिठक गया था। उसने कमरा बनाया, उसके कई दरवाज़े खोले और हर भारतीय को ऊपर चढ़ने के लिए सीढ़ी दी।

लेखक सेना की पश्चिमी कमान के पूर्व कमांडर और पुणे इंटरनेशनल सेंटर के संस्थापक ट्रस्टी हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ

भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

14 अगस्त को दुर्ग में आयोजित होगी स्वतंत्रता दौड़

दुर्ग। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग दुर्ग द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 14 अगस्त 2026 को स्वतंत्रता दौड़ का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह स्वतंत्रता दौड़ प्रातः 7.30 बजे रविशंकर स्टेडियम, दुर्ग के मुख्य गेट से प्रारंभ होगी। दौड़ का मार्ग आदर्श कन्या शाला, गांधी चौक, पटेल चौक, पुराना दुर्ग थाना, इंदिरा मार्केट, फरिश्ता कॉम्प्लेक्स चौक, पचरीपारा नया बस स्टैंड रोड, बस स्टैंड और चर्च रोड से होते हुए पुनः रविशंकर स्टेडियम के मुख्य गेट पर पहुंचकर समाप्त होगा।

15 दिवसीय ऑनलाइन संस्कृत महोत्सव कल से

भिलाई। प्रति वर्ष के समान इस बार भी छत्तीसगढ़ संस्कृत सेवा संस्थान द्वारा 13 अगस्त श्रावणी शुक्ल प्रतिपदा से 27 अगस्त श्रावणी पूर्णिमा तक 15 दिवसीय संस्कृत महोत्सव का आयोजन आभासीय पटल पर किया जा रहा है। संस्थान के प्रदेशाध्यक्ष आचार्य नवीन शर्मा, प्रदेश सचिव डॉ.मनीष शर्मा, प्रदेश संगठन सचिव आचार्य मुकेश चौबे, दुर्ग जिला संरक्षक आचार्य डॉ.महेश चन्द्र शर्मा एवं खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिला संयोजिका डॉ.पूर्णिमा केलकर ने सभी संस्कृत प्रेमियों से अनुरोध किया है कि वे अवसर का लाभ उठाते हुए ऑनलाइन जुड़ें।

छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सुनवाई कल

दुर्ग। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू एवं सदस्य श्रीमती ओजस्वी मण्डावी के द्वारा 13 अगस्त को दुर्ग के कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में प्रातः 11 बजे से महिलाओं के उत्पीड़न से संबंधित विभिन्न 27 प्रकरणों की सुनवाई की जाएगी। सुनवाई के पश्चात दोपहर 3 बजे कलेक्टर सभाकक्ष में प्रेसवार्ता भी ली जाएगी।

आरओ वाटर कूलर प्लांट लगाने 31.50 लाख स्वीकृत

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजनांतर्गत प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए अहिवारा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न शासकीय विद्यालयों में 7 विकास कार्यों के लिए कुल 31.50 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा द्वारा अनुशंसित उक्त कार्यों का संपादन क्रियान्वयन एजेंसी जिला शिक्षा अधिकारी, दुर्ग द्वारा किया जाएगा।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति की प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश

दुर्ग। वर्ष 2026-27 में अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए संचालित ऑनलाईन पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (कक्षा 12वीं से उच्चतर) हेतु पंजीयन, स्वीकृति एवं वितरण की कार्यवाही विभागीय वेबसाइट https//postmatric-scholarship.cg.nic.in/ पर ऑनलाइन की जा रही है। जिले में सभी पात्र विद्यार्थियों को योजना का लाभ दिया जाना है।

मीडिएशन 3.0 : न्याय को तेज, सहज और रिश्तों को बचाने वाली प्रक्रिया बनाने पर जोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। हर विवाद का अंत अदालत के फैसले से ही हो यह जरूरी नहीं। कभी-कभी एक बातचीत, एक सही सवाल और एक निष्पक्ष संवाद वह कर सकता है, जो वर्षों की मुकदमेबाजी भी नहीं कर पाती। इसी सोच के साथ मीडिएशन 3.0 को दुर्ग में और प्रभावी बनाने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के अध्यक्ष विनोद कुजूर ने जिला अधिवक्ता संघ के अधिवक्ताओं के साथ बैठक कर मध्यस्थता को अधिक प्रभावी बनाने और अधिकाधिक उपयुक्त मामलों को संवाद के माध्यम से समाधान तक पहुंचाने पर चर्चा की। उक्त बैठक में जिला अधिवक्ता संघ दुर्ग के अध्यक्ष, सचिव, अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

केस से पहले कन्वर्सेशन

बैठक में इस बात पर विशेष रूप से चर्चा हुई कि हर विवाद में केवल यह देखना जरूरी नहीं कि कौन जीतेगा और कौन हारेगा, बल्कि यह भी देखा जाना चाहिए कि क्या दोनों पक्ष ऐसा समाधान तलाश सकते हैं जिसमें किसी की अनावश्यक हार न हो। अध्यक्ष महोदय ने अपने उद्बोधन में कहा कि वे ऐसे मामलों की पहचान करने में सक्रिय भूमिका निभाएं, जिनमें मध्यस्थता के माध्यम से पक्षकारों के बीच संवाद स्थापित कर स्थायी समाधान निकाला जा सकता है।

समाधान की असली ताकत

बैठक में मध्यस्थता केन्द्र प्रभारी, दुर्ग अनिष दुबे ने भी अधिवक्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने मध्यस्थता की व्यावहारिक प्रक्रिया और उसके प्रभावी क्रियान्वयन से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा करते हुए कहा कि मध्यस्थता में किसी पक्ष को हराना लक्ष्य नहीं होता। उन्होंने अधिवक्ताओं से अपील की कि वे अपने प्रकरणों में मध्यस्थता की संभावनाओं को पहचानें और उपयुक्त मामलों में पक्षकारों को इसके लाभों के बारे में समझाएं।

त्योहारों से पहले दुर्ग पुलिस अलर्ट : शराब पीकर ड्राइविंग, ब्लैक फिल्म वाले वाहनों पर सख्ती

दुर्ग एसएसपी विजय अग्रवाल की पहल, 13 पुलिस अधिकारियों को मिले प्रशस्ती पत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। आने वाले दिनों में गणेश चतुर्थी, नवरात्रि और दीपावली जैसे त्योहारों को देखते हुए यातायात विभाग की तैयारियों को लेकर दुर्ग एसएसपी विजय अग्रवाल ने विभागीय अधिकारियों व कर्मचारियों की बैठक ली। 17 अगस्त से शिवमहापुराण कथा भी शुरू हो रही है और इस आयोजन के दौरान शहर में वाहनों की संख्या बढ़ने के साथ ट्रैफिक का दबाव भी बढ़ने की संभावना है। इसे देखते हुए पुलिस ने यातायात व्यवस्था को लेकर अभी से तैयारी शुरू कर दी है। एसएसपी दुर्ग ने कंट्रोल रूम सेक्टर-6 में यातायात पुलिस के अधिकारियों की बैठक में अब तक की गई कार्रवाई और आगामी दिनों की कार्ययोजना पर चर्चा की गई। बैठक में अधिकारियों से टैंगो टीम की कार्रवाई, अतिक्रमण हटाने के अभियान, यातायात जागरूकता कार्यक्रम और शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ की जा रही चेकिंग की जानकारी ली गई। एसएसपी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि त्योहारों के दौरान यातायात व्यवस्था को लेकर लगातार सतर्क रहें।

शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर सख्ती

एसएसपी अग्रवाल ने शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके अलावा मालवाहक वाहनों में सवारी बैठाने, सड़क पर स्टंट करने, बिना नंबर या साफ नंबर नहीं दिखने वाले वाहनों और ब्लैक फिल्म लगे वाहनों पर भी कार्रवाई करने कहा गया। सड़क पर स्टंट करने वाले वाहन चालकों के वाहन जब्त कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

नो एंट्री में भारी वाहनों की भी होगी जांच

एसएसपी अग्रवाल ने बताया कि शहर में नो एंट्री के दौरान भारी वाहनों के प्रवेश पर भी यातायात पुलिस की नजर रहेगी। अधिकारियों को ऐसे वाहनों की जांच कर नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस का कहना है कि त्योहारों के दौरान बाजार और प्रमुख सड़कों पर भीड़ बढ़ने से जाम की स्थिति बन सकती है। ऐसे में पहले से ही जरूरी इंतजाम किए जाएंगे।

ब्लैक स्पॉट की होगी जांच

बैठक में सड़क हादसों को रोकने पर भी जोर दिया गया। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि जिन स्थानों पर पहले दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, वहां जाकर मौके का निरीक्षण करें। हादसा किस वजह से हुआ, इसकी जानकारी जुटाकर जरूरी सुधार कराए जाएं। सड़क की खराब स्थिति, रोशनी की कमी, संकेतक नहीं होना, अतिक्रमण या दूसरी किसी समस्या के कारण हादसा हो रहा है तो संबंधित विभाग से समन्वय कर उसे दूर कराने के निर्देश दिए गए।

त्योहारों में बढ़ेगी पेट्रोलिंग

एसएसपी ने यातायात पुलिस के अधिकारियों और कर्मचारियों को आगामी आयोजनों के दौरान पूरी जिम्मेदारी और अनुशासन के साथ ड्यूटी करने कहा। आम लोगों को सुरक्षित और आसान यातायात उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए हैं। यातायात पुलिस आने वाले दिनों में चेकिंग, पेट्रोलिंग, नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई और यातायात जागरूकता अभियान लगातार जारी रखा जाएगा। त्योहारों के दौरान वाहनों का दबाव बढ़ने पर ट्रैफिक व्यवस्था को बनाए रखने के लिए अतिरिक्त निगरानी होगी।

रोजगार गारंटी योजना से रीवागहन में बना नया आंगनबाड़ी भवन

11.69 लाख की लागत 362 मानव दिवस रोजगार का सृजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जनपद पंचायत पाटन के ग्राम पंचायत अरमारीखुर्द के आश्रित ग्राम रीवागहन में रोजगार गारंटी योजना के तहत नया आंगनबाड़ी भवन बनाया गया है। जर्जर भवन के कारण सामुदायिक भवन में संचालित केंद्र को अब स्थायी एवं सुरक्षित भवन मिल गया है। नए भवन से 35 बच्चों को लाभ मिल रहा है।

वर्ष 2025-26 में भवन निर्माण के लिए 11.69 लाख रुपए स्वीकृत किए गए, जिसमें रोजगार गारंटी योजना से 8 लाख तथा महिला एवं बाल विकास विभाग से 3.69 लाख रुपए का अभिसरण किया गया। निर्माण कार्य 1 फरवरी से 5 जून 2026 तक पूरा हुआ और इस दौरान 362 मानव दिवस रोजगार का सृजन हुआ। 114.26 वर्गमीटर में निर्मित भवन में किचन, शौचालय, ओपन हॉल एवं बाल-केंद्रित चित्रकारी जैसी सुविधाएं हैं। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री बजरंग कुमार दुबे ने बताया कि रीवागहन का आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक-01 लंबे समय से बच्चों के पोषण, प्रारंभिक शिक्षा, स्वास्थ्य एवं विकास से जुड़ी गतिविधियों का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। पुराना भवन जर्जर होने के कारण बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए केंद्र को लगभग एक वर्ष तक सामुदायिक भवन में संचालित करना पड़ा। यह व्यवस्था अस्थायी थी और बच्चों के लिए स्थायी एवं सुविधायुक्त भवन की आवश्यकता बनी हुई थी। गांव की आवश्यकता को देखते हुए रोजगार गारंटी योजना के तहत नए आंगनबाड़ी भवन के निर्माण की पहल की गई।

जन्मदिन पर विधायक रिकेश ने कोसा नगर में किया पौधरोपण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन के जन्मदिवस के अवसर पर नगर पालिक निगम भिलाई एवं एक्सिस बैंक के संयुक्त तत्वावधान में कोसा नगर मैदान में विशेष वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

इस अवसर पर विधायक ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भिलाई के संकल्प को मजबूत करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं और पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाना तथा उनकी नियमित देखभाल करना हम सभी की जिम्मेदारी है। जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित इस विशेष वृक्षारोपण कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ नागरिकों में हरियाली एवं स्वच्छ पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। नगर पालिक निगम भिलाई एवं एक्सिस बैंक के संयुक्त प्रयास से कोसा नगर मैदान में विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 ने आसान किया आयुष्मान कार्ड का सफर

दुर्ग। अब मन को तसल्ली है कि जरूरत पड़ने पर मेरा इलाज सही समय पर और निःशुल्क हो सकेगा। यह संतोष के भाव हैं दुर्ग जिले के खुर्सीपार जोन-2 निवासी श्री कमल सिंह बेदी के, जिनकी आयुष्मान कार्ड बनवाने की कई महीनों की परेशानी मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 के माध्यम से दूर हुई। श्री कमल सिंह बेदी पिछले 6 से 7 महीनों से अपना आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए प्रयासरत थे। उन्होंने कई जगह जानकारी ली और आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने की कोशिश की, लेकिन उनका आयुष्मान कार्ड नहीं बन पा रहा था। लगातार प्रयास के बावजूद समस्या का समाधान नहीं होने से वे परेशान थे। इसी दौरान उन्होंने समाचार पत्र में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 के बारे में पढ़ा। उन्हें जानकारी मिली कि आम नागरिक अपनी समस्याओं को हेल्पलाइन के माध्यम से दर्ज कराकर उनके त्वरित निराकरण की दिशा में पहल कर सकते हैं। उन्होंने बिना देर किए हेल्पलाइन नंबर 1076 पर संपर्क कर अपनी समस्या दर्ज कराई और आयुष्मान कार्ड नहीं बन पाने की पूरी जानकारी दी। सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज होने के बाद संबंधित विभाग द्वारा मामले पर त्वरित कार्रवाई की गई। सिर्फ दो-चार दिनों के भीतर ही उनका आयुष्मान कार्ड बन गया।

हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा अभियान के तहत भिलाई में निकली तिरंगा रैली

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शासन के निर्देशानुसार हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा अभियान के प्रचार-प्रसार एवं नागरिकों में राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान और जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा मंगलवार को भव्य तिरंगा रैली का आयोजन किया गया।

तिरंगा रैली की शुरुआत पावर हाउस चौक से हुई। रैली नंदिनी रोड होते हुए शहर के प्रमुख चौक-चौराहों से गुजरी और पुनः पावर हाउस चौक पहुंचकर इसका समापन किया गया। रैली के दौरान हाथों में तिरंगा लेकर शामिल अधिकारी-कर्मचारियों एवं स्वच्छता दीदियों ने नागरिकों को

राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान एवं उसकी गरिमा बनाए रखने के लिए जागरूक किया। रैली के दौरान पूरे मार्ग पर देशभक्ति का माहौल नजर आया। प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भारत माता की जय के जयघोष लगाए। तिरंगे के प्रति सम्मान और राष्ट्रभक्ति की भावना से ओत-प्रोत इस रैली ने नागरिकों को हर घर तिरंगा अभियान से जुड़ने का संदेश दिया। रैली में नगर निगम के मुख्य कार्यालय एवं जोन कार्यालयों के अधिकारी-कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में स्वच्छता दीदियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। निगम अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की कि वे स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों में तिरंगा फहराएं तथा राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा और सम्मान को सदैव बनाए रखें।

श्री शंकराचार्य महाविद्यालय में दीक्षारंभ समारोह

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। श्री शंकराचार्य महाविद्यालय एवं श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी भिलाई के संयुक्त तत्वावधान में 11 अगस्त 2026 को दीक्षारंभ समारोह का आयोजन यूजीसी गाइडलाइन के अनुसार किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलाधिपति श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी भिलाई के आईपी मिश्रा, विशिष्ट अतिथि डॉ जया मिश्रा अध्यक्ष, श्री गंगाजली शिक्षण समिति, विशिष्ट अतिथि डॉ. स्मिता सेलोट कुलपति श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी भिलाई, विशिष्ट अतिथि श्री गोविंद शर्मा डीएसडब्ल्यू श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर सरस्वती वंदना एवं राज्य गीत गाकर किया गया। तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत महाविद्यालय के परंपरा अनुसार पौधा भेंट कर किया गया। छात्रों और अभिभावकों का स्वागत अक्षत और रोली लगाकर किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ राहुल मेने महाविद्यालय की विकास यात्रा एवं विभिन्न पड़ाव एवं उपलब्धियां के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की।

तत्पश्चात महाविद्यालय की प्राचार्य द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। नवप्रवेशी छात्रों का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि युवा छात्र हमारे देश का भविष्य है। देश को प्रगति और विकास की ओर ले जाने में उनकी अहम भूमिका होती है। अतः महाविद्यालय में उन्हें अनुशासन और नियमों का पालन करते हुए अपनी कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए। हमारे नवप्रवेषी छात्र महाविद्यालय की प्रतिष्ठा और गौरव के ध्वजवाहक है। आपकी कर्तव्यनिष्ठा से अपनी प्रतिभा का परचम लहरा सकेंगे।

श्री गंगाजली शिक्षण समिति के अध्यक्ष श्री आईपी मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा कि देश का हित छात्र हित में निहित है अतः वे महाविद्यालय की गरिमा को बनाए रखते हुए देश की गरिमा को बनाए रखें। शिक्षकों का दायित्व छात्रों की प्रतिभाओं को निखारने के साथ ही उनको सवारना भी है और उनको सही दिशा निर्देश प्रदान करना है, उनमें छिपी हुई प्रतिभाओं को उजागर कर उचित स्थान प्रदान करना है। समिति की अध्यक्ष डॉ जया मिश्रा ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में आप सभी का स्वागत है यहां आपको शिक्षा खेलकूद सेल्फ डेवलपमेंट, कल्चरल सभी क्षेत्रों में आपको पूरी सुविधाएं प्रदान की जाएगी।

स्वतंत्रता दिवस के पूर्व महापुरुषों की प्रतिमाओं की कराई जा रही साफ-सफाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर में विशेष साफ-सफाई अभियान चलाया जा रहा है। निगम द्वारा शहर में स्थापित सभी महापुरुषों की प्रतिमाओं की साफ-सफाई एवं धुलाई का कार्य कराया जा रहा है, ताकि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रतिमाएं स्वच्छ एवं आकर्षक नजर आएं।

इसके साथ ही शहर के प्रमुख चौक-चौराहों, सार्वजनिक स्थलों एवं आसपास के क्षेत्रों में भी विशेष सफाई कराई जा रही है। निगम के सफाई कर्मचारियों द्वारा सड़कों, चौक-चौराहों एवं सार्वजनिक स्थानों से कचरा हटाकर साफ-सफाई की जा रही है। स्वतंत्रता दिवस के राष्ट्रीय पर्व को ध्यान में रखते हुए निगम प्रशासन द्वारा शहर

की स्वच्छता एवं सौंदर्य व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। महापुरुषों की प्रतिमाओं के आसपास के क्षेत्र को भी व्यवस्थित किया जा रहा है, जिससे 15 अगस्त के अवसर पर नागरिकों को स्वच्छ वातावरण मिल सके। निगम अधिकारियों ने संबंधित विभाग के कर्मचारियों को सफाई कार्य समय पर पूर्ण करने तथा प्रमुख स्थानों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं।

Since 1972
CROWN®-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

केंद्रीय पर्यटन परियोजनाओं को समय-सीमा में पूरा करना प्राथमिकता : भारतीदासन

रायपुर। मंत्रालय महानदी भवन में पर्यटन विभाग के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन ने राज्य में भारत सरकार द्वारा स्वीकृत केंद्रीय पर्यटन परियोजनाओं के निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में स्वदेश दर्शन योजना 2.0, चैलेंज बेस्ड डेस्टिनेशन डेवलपमेंट (सीबीडीडी), स्पेशल असिस्टेंस स्कीम फॉर कैपिटल इन्वेस्टमेंट तथा प्रसाद योजना के अंतर्गत संचालित विभिन्न परियोजनाओं की कार्य प्रगति, पूर्णता की समय-सीमा, लंबित तकनीकी प्रक्रियाओं तथा निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की विस्तार से समीक्षा की गई। सचिव पर्यटन डॉ. एस. भारतीदासन ने सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश देते हुए कहा कि पर्यटन परियोजनाओं के निर्माण में अनावश्यक विलंब स्वीकार्य नहीं होगा। उन्होंने परियोजनावार कार्य प्रगति की नियमित निगरानी, प्रत्येक कार्य की पूर्णता की समय-सीमा निर्धारित करने तथा लंबित कार्यों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए।

सुखलाल का कच्चा आशियाना बना उम्मीद की पक्की नींव

रायपुर। मौसम की मार झेलते जर्जर कच्चे मकान की छत, बारिश में टपकता पानी और हर पल बनी रहने वाली अनहोनी की आशंका—यह नारायणपुर जिले की ग्राम पंचायत बावड़ी निवासी सुखलाल और उनके परिवार का रोजाना का संघर्ष था। आर्थिक तंगी के कारण एक मजबूत और पक्का घर बनाना उनके लिए किसी सपने से कम नहीं था, लेकिन केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण ने सुखलाल के परिवार के इस वर्षों पुराने सपने को हकीकत में बदल दिया है। सुखलाल का परिवार वर्षों से एक ऐसे कच्चे मकान में रहने को विवश था, जहां हर बदलता मौसम नई चुनौतियां लेकर आता था। विशेष रूप से मानसून के दौरान छत से पानी टपकने के कारण पूरे परिवार की रातें जागकर बीतती थीं। आर्थिक सीमाएं आड़े आने के कारण पक्का निर्माण असंभव सा लगता था। ऐसे विषम परिस्थितियों में 'प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण' परिवार के लिए एक संबल बनकर आई।

पालक-बालक सम्मेलन बना बेटियों के सपनों की राह आसान करने का माध्यम

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण और शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसी सुशासन की भावना को जिला स्तर पर प्रभावी रूप से आगे बढ़ाते हुए पालक-बालक सम्मेलन अब केवल संवाद का मंच नहीं, बल्कि जरूरतमंद परिवारों की वास्तविक समस्याओं के समाधान और बच्चों के बेहतर भविष्य की राह आसान करने का प्रभावी माध्यम बन रहे हैं। इसी क्रम में गौरेला पेन्ड्रा मरवाही जिले के ग्राम करंगरा, पंचायत धनौली निवासी संतोषी बैगा द्वारा धनौली में आयोजित पालक-बालक सम्मेलन में अपनी दोनों बेटियों सीता बैगा एवं गीता बैगा के लिए छात्रावास में प्रवेश दिलाने की मांग रखी गई थी। जिला प्रशासन ने उनकी आवश्यकता को गंभीरता से लेते हुए तत्काल पहल की और दोनों छात्राओं को पोस्ट मैट्रिक कन्या छात्रावास, पेंड्रा में प्रवेश दिला दिया। ग्रामीण क्षेत्र से आने वाली बेटियों के लिए आवास की सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण नियमित अध्ययन में कठिनाइयां आती थीं।

देशभर के टूर ऑपरेटर्स ने देखा छत्तीसगढ़ का पर्यटन वैभव, फेम ट्रिप से राष्ट्रीय पर्यटन बाजार में बनेगी नई पहचान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व और पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ को देश के प्रमुख पर्यटन गंतव्यों में शुमार करने की कोशिशों को लगातार पंख लग रहे हैं। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल द्वारा 10 से 14 अगस्त तक एक विशेष फेम ट्रिप का आयोजन किया जा रहा है। इस अनुभवात्मक यात्रा में देश के विभिन्न राज्यों से आए 30 प्रमुख टूर ऑपरेटर्स एवं पर्यटन विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं।

इस फेम ट्रिप का मुख्य उद्देश्य पर्यटन प्रतिनिधियों को राज्य के प्राकृतिक सौंदर्य, पुरातात्विक विरासत, स्थानीय लोक-संस्कृति और विश्वस्तरीय आतिथ्य का प्रत्यक्ष अनुभव कराना है, ताकि वे देशभर के पर्यटकों के लिए छत्तीसगढ़ के विशेष और आकर्षक टूर पैकेज तैयार कर सकें।

यात्रा की शुरुआत बारनवापारा स्थित हरेली इको रिजॉर्ट से हुई, जहां प्रतिनिधियों का पारंपरिक छत्तीसगढ़ी अंदाज में स्वागत किया गया।

यहां प्रतिनिधियों ने बांस की बोटिंग का आनंद लिया और स्थानीय सांस्कृतिक नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियों को देखा। इसके बाद, टूर ऑपरेटर्स ने ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक नगरी सिरपुर का भ्रमण किया। वहां उन्होंने प्रसिद्ध लक्ष्मण मंदिर, तीवरदेव विहार और सुरंग टीला जैसी ऐतिहासिक धरोहरों की स्थापत्य कला और गौरवगाथा को समझा।

स्थानीय अर्थव्यवस्था और पर्यटन उद्योग को मिलेगी गति

पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में आयोजित इस पहल से छत्तीसगढ़ के पर्यटन को न केवल प्रचार मिलेगा, बल्कि यह सीधे राष्ट्रीय पर्यटन बाजार से जुड़ेगा। जब टूर ऑपरेटर्स खुद राज्य की सुविधाओं, खान-पान, रिसॉर्ट्स और संस्कृति का प्रत्यक्ष अनुभव करेंगे, तो वे अपने ग्राहकों को छत्तीसगढ़ आने के लिए बेहतर ढंग से प्रेरित कर सकेंगे। इससे राज्य में पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी, जिससे स्थानीय होटल व्यवसाय, हस्तशिल्प, परिवहन और रोजगार के अवसरों को सीधा आर्थिक लाभ पहुंचेगा।

छत्तीसगढ़ को 'जेएम सस्टेनेबल प्रोक्योरमेंट अवार्ड' शासकीय खरीदी दोगुनी होकर 3,935 करोड़ पहुंची

गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस से राज्य की खरीदी में एक वर्ष में 113 प्रतिशत की वृद्धि, उद्यमों को मिले 1,800 करोड़ के ऑर्डर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ को गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस के 10वें स्थापना दिवस समारोह में 'जेएमसस्टेनेबल प्रोक्योरमेंट अवार्ड' से सम्मानित किया गया है। नई दिल्ली में आयोजित समारोह में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की गरिमामयी उपस्थिति में यह सम्मान प्रदान किया गया। जेएमके एक दशक पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित समारोह की थीम 'जेएम10: **A Decade of E&ponential Possibilities** रही। राज्य सरकारों के लिए निर्धारित 'प्रीमियर अवार्ड्स - स्टेट गवर्नमेंट फेलिसिटेशन' श्रेणी के अंतर्गत छत्तीसगढ़ को यह पुरस्कार जेएमके प्रभावी उपयोग तथा इसके माध्यम से शासकीय खरीदी के मूल्य और मात्रा में उल्लेखनीय वृद्धि के लिए प्रदान किया गया है।

छत्तीसगढ़ में जेएमके माध्यम से शासकीय खरीदी वित्तीय वर्ष 2025-26 में बढ़कर 3,935 करोड़ पहुंच गई। यह पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 113 प्रतिशत की वृद्धि है। राज्य शासन द्वारा विभागों, निगमों और स्थानीय निकायों की खरीदी को एक साझा एवं पारदर्शी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाने के सुनियोजित प्रयासों से यह वृद्धि संभव हुई है। इससे अधिकाधिक शासकीय खरीदी खुली प्रतिस्पर्धा के दायरे में आई है और प्रत्येक लेन-देन में प्रतिस्पर्धी दर निर्धारण तथा पारदर्शिता सुनिश्चित हुई है।

जेएमके व्यापक उपयोग से शासकीय खरीदी में छोटे उद्यमियों की भागीदारी भी तेजी से बढ़ी है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (**MSEs**) से खरीदी 61 प्रतिशत बढ़कर 1,800 करोड़ हो गई। यह निर्धारित 25 प्रतिशत **MSE** खरीद लक्ष्य से काफी अधिक है। राज्य के प्राथमिकता वाले उद्यमी वर्गों की भागीदारी में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। महिला उद्यमियों से खरीदी में 97 प्रतिशत और अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग के उद्यमियों से खरीदी में 108 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वहीं स्टार्टअप से खरीदी में सर्वाधिक 178 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

जेएम ने उद्यमियों के लिए खोले शासकीय बाजार के द्वार : साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि जेएमने छत्तीसगढ़ के उद्यमियों को बिना किसी मध्यस्थ के सीधे शासकीय मांग और बाजार से जुड़ने का सशक्त माध्यम उपलब्ध कराया है। महिला उद्यमियों, अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग के उद्यमियों और स्टार्टअप की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि इस पारदर्शी व्यवस्था की सफलता को दर्शाती है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि खुला और पारदर्शी डिजिटल मार्केटप्लेस प्रत्येक उद्यमी को समान अवसर प्रदान करता है। हमारी सरकार का प्रयास है कि इस व्यवस्था का लाभ प्रदेश के अधिक से अधिक सूक्ष्म एवं लघु उद्यमियों, महिला उद्यमियों, अनुसूचित जाति-जनजाति के उद्यमियों और स्टार्टअप तक पहुंचे। हम पारदर्शी शासकीय खरीदी के साथ स्थानीय उद्यमिता को सशक्त बनाकर विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहे हैं।

खुली प्रतिस्पर्धा से 130 करोड़ की बचत

जेएमप्लेट फॉर्म पर पारदर्शी एवं प्रतिस्पर्धी निविदा प्रक्रिया के कारण वित्तीय वर्ष 2025-26 में छत्तीसगढ़ शासन को 130 करोड़ की बचत हुई है। यह बचत विभागों द्वारा खरीदी के लिए अनुमानित लागत और खुली प्रतिस्पर्धी बोली के बाद प्राप्त वास्तविक बाजार मूल्य के अंतर से हुई है। जेएमकी खुली बोली प्रक्रिया, मानकीकृत विनिर्देश और प्रत्येक लेन-देन का डिजिटल एवं ऑडिट योग्य रिकॉर्ड शासकीय खरीदी में पारदर्शिता और प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करता है। पिछले तीन वित्तीय वर्षों में प्रतिस्पर्धी खरीदी के माध्यम से राज्य शासन को कुल 235 करोड़ की बचत हुई है। खरीदी प्रक्रिया के प्रत्येक चरण में निर्धारित जांच और निगरानी व्यवस्था लागू है।

1500 मीटर लंबे तिरंगे के साथ गूंजा 'वंदे मातरम'

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राजधानी रायपुर में आयोजित भव्य तिरंगा यात्रा देशभक्ति के रंग में सराबोर नजर आई। बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम से सुभाष स्टेडियम तक निकाली गई इस ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में मंत्रिमंडल के सदस्य, सांसद, विधायक, निगम-मंडल-आयोग के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, बड़ी संख्या में स्काउट-गाइड, स्कूली छात्र-छात्राएं, एनसीसी स्वयंसेवक एवं नागरिक उत्साहपूर्वक शामिल हुए। लगभग 1500 मीटर लंबे तिरंगे के साथ निकली इस यात्रा ने राजधानी के वातावरण को राष्ट्रभक्ति और एकता के भाव से भर दिया।

तिरंगा यात्रा में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के स्काउट-गाइड, रोवर-रेंजर एवं पदाधिकारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। राज्य मुख्य आयुक्त श्री इंदरजीत सिंह खालसा के निर्देशन में स्काउट-गाइड दल ने 1500 मीटर लंबे तिरंगे की अगुवाई करते हुए अनुशासन, समर्पण और राष्ट्रभक्ति की भावना के साथ कदम से कदम मिलाया। स्काउट-गाइड एवं रोवर-रेंजर की अनुशासित और उत्साहपूर्ण सहभागिता ने तिरंगा यात्रा की गरिमा को और बढ़ाया।

यात्रा के दौरान 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम्' के जयघोष से पूरा वातावरण देशभक्ति से गूंज उठा। हाथों में तिरंगा और मन में राष्ट्रप्रेम का भाव लिए स्काउट-गाइड, रोवर-रेंजर एवं पदाधिकारियों की सहभागिता ने नागरिकों में राष्ट्रीय एकता, अनुशासन और देश के प्रति समर्पण की भावना को और मजबूत किया। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ की इस सहभागिता ने युवाओं को राष्ट्रप्रेम, अनुशासन, सेवा और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान का संदेश दिया।

1500 मीटर लंबे तिरंगे के साथ निकली यह भव्य तिरंगा यात्रा प्रदेशवासियों के लिए अविस्मरणीय और ऐतिहासिक पल रही। यह यात्रा केवल राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान का आयोजन नहीं, बल्कि देशभक्ति के जज्बे, एकता और राष्ट्रीय गौरव की सामूहिक अभिव्यक्ति बनी।

स्वामित्व योजना से बदलेगी गांवों की तस्वीर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वामित्व योजना ड्रोन तकनीक और आधुनिक मैपिंग के जरिए ग्रामीण भारत की तस्वीर बदल रही है। इसके तहत छत्तीसगढ़ समेत देशभर के गांवों में आबादी क्षेत्र की संपत्तियों का सटीक सर्वेक्षण कर ग्रामीणों को कानूनी मालिकाना हक वाला प्रॉपर्टी कार्ड दिया जा रहा है, जिससे भूमि विवाद कम हो रहे हैं और बैंक ऋण मिलना आसान हुआ है।

राज्य के राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने सारंगढ़ स्थित मंडी प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में श्स्वामित्व योजनाश् के अंतर्गत नागरिकों को अधिकार अभिलेख (स्वामित्व कार्ड) प्रदान किए। इस अवसर पर मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में अब तक स्वामित्व योजना के तहत 4 लाख अधिकार अभिलेखों का वितरण किया जा चुका है। राज्य सरकार ने 10 लाख कार्ड वितरण का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसे आगामी वर्ष तक पूर्ण कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि नवगठित सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में अब तक 15 हजार स्वामित्व कार्ड तैयार किए जा चुके हैं। मंत्री वर्मा ने नागरिकों से अपने स्वामित्व कार्ड को सुरक्षित रखने का आग्रह किया।

मंत्री वर्मा ने राज्य सरकार की उपलब्धियों और विकास प्राथमिकताओं को रेखांकित करते हुए मंत्री वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरकार सबका साथ, सबका विकास के ध्येय वाक्य पर निरंतर कार्य कर रही है। पदभार संभालते ही सरकार ने 18 लाख प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किए हैं। इसके अलावा महतारी वंदन जैसी महत्वाकांक्षी योजनाओं और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सफल क्रियान्वयन से राज्य में प्रगति के नए आयाम स्थापित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि बस्तर को नक्सलवाद से मुक्त कराने की दिशा में ऐतिहासिक सफलता मिली है। सरकार विकसित भारत 2047 के विजन के अनुरूप वर्ष 2047 तक छत्तीसगढ़ को देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष और उपाध्यक्ष, जिला पंचायत सदस्य,पूर्व विधायक केराबाई मनहर सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक व ग्रामीण उपस्थित थे।

इको-टूरिज्म और वन्यजीव संरक्षण को मिलेगा बढ़ावा : कश्यप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बस्तर के दरभा क्षेत्र में तीन दिवसीय हरेली बर्ड फेस्टिवल का भव्य शुभारंभ वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप के मुख्य आतिथ्य में हुआ। उन्होंने कहा कि बस्तर अपनी प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध जैव विविधता के कारण देश के प्रमुख इको-टूरिज्म स्थलों में शामिल होने की क्षमता रखता है।

वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि यह आयोजन पक्षी संरक्षण, पर्यावरण जागरूकता और स्थानीय समुदाय की भागीदारी को बढ़ावा देगा। उन्होंने बताया कि बस्तर के वनों में कई दुर्लभ पक्षी प्रजातियां पाई जाती हैं और उनका संरक्षण सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि हरेली बर्ड फेस्टिवल से इको-टूरिज्म को नई गति मिलेगी। इससे स्थानीय युवाओं को बर्ड गाइड, होम-स्टे, पर्यटन सेवाओं और प्रकृति आधारित आजीविका के क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे। उन्होंने ग्रामीणों से वनों और वन्यजीवों की सुरक्षा में वन विभाग का सहयोग करने की अपील की।

कार्यक्रम के दौरान वन्यजीव संरक्षण से जुड़ी कई महत्वपूर्ण पहल की गईं। हरेली बर्ड फेस्टिवल का आधिकारिक लोगो जारी किया गया और मानव-हाथी द्वंद्व को कम करने के उद्देश्य से 'गज संकेत' मोबाइल ऐप लॉन्च किया गया। साथ ही बस्तर की प्राकृतिक विरासत पर आधारित एक कॉफी टेबल बुक और अन्य प्रकाशनों का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के राजकीय पक्षी बस्तर पहाड़ी मैना के संरक्षण पर विशेष प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर राज मोहिनी देवी सामाजिक सुरक्षा योजना के अंतर्गत जून 2026 तक 1,233 हितग्राहियों को 17 करोड़ 9 लाख रुपये की सहायता राशि के वितरण की शुरुआत की गई।

कार्यक्रम के दौरान वन्यजीव संरक्षण में उल्लेखनीय योगदान देने वाले हाथी मित्र दल, मैना मित्र दल और गिद्ध मित्र दल के सदस्यों को सम्मानित भी किया गया।

इस अवसर पर विधायक विनायक गोयल, छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ के अध्यक्ष रूपसाय सलाम, अपर मुख्य सचिव वन मनोज कुमार पिंगुआ, प्रधान मुख्य वन संरक्षक अरुण कुमार पांडे, जगदलपुर महापौर संजय पांडे, जिला पंचायत उपाध्यक्ष बलदेव मंडावी, जनप्रतिनिधि, अधिकारी, पर्यावरणविद, ग्रामीण और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक बस्तर दशहरा पर्व, पाट जात्रा पूजा विधान के साथ हुआ शुरू

75 दिनों तक चलने वाले इस ऐतिहासिक पर्व में निभाई जाएंगी पारंपरिक रस्में, दंतेश्वरी मंदिर प्रांगण में होगा आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी के मंदिर प्रांगण में आज हरेली अमावस्या के पावन अवसर पर पाट जात्रा पूजा विधान के साथ विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा पर्व का आगाज होने जा रहा है।

इस दौरान पारंपरिक मांझी-चालकी, मेम्बर-मेम्बरीन, पुजारी, पटेल, नाईक-पाईक और सेवादार रथ निर्माण के लिए औजार बनाने की श्ठुरलू खोटलाश् रस्म अदा करेंगे। बस्तर दशहरा समिति ने सभी सेवादारों, ग्रामीणों और गणमान्य नागरिकों को इस पूजा विधान में शामिल होने का आग्रह किया है।

75 दिनों तक चलने वाले बस्तर दशहरा का मुख्य कार्यक्रम जारी किया गया है, जिसके तहत 12 अगस्त बुधवार से पाट जात्रा पूजा विधान दशहरा पर्व का शुभारंभ, 24 सितम्बर गुरूवार को डेरी गड़ाई पूजा विधान, 10 अक्टूबर शनिवार को काछनगादी पूजा विधान, 11 अक्टूबर रविवार को कलश स्थापना पूजा विधान, 12 अक्टूबर सोमवार को जोगी बिठाई पूजा विधान के रस्म का आयोजन किया जाएगा। इसी प्रकार 13 अक्टूबर से 18 अक्टूबर को प्रतिदिन नवरात्रि पूजा एवं रथ परिक्रमा पूजा विधान, 18 अक्टूबर रविवार को सुबह 11 बजे बेल पूजा विधान, 19 अक्टूबर सोमवार को महाअष्टमी पूजा विधान एवं निशा जात्रा पूजा विधान, 20 अक्टूबर मंगलवार को कुंवारी पूजा विधान, जोगी उठाई पूजा विधान एवं मावली परघाव का आयोजन किया जाएगा।

21 अक्टूबर बुधवार को भीतर रैनी पूजा विधान एवं रथ परिक्रमा, 22 अक्टूबर गुरूवार को बाहर रैनी पूजा विधान एवं रथ परिक्रमा, 23 अक्टूबर शुक्रवार को सुबह काछन जात्रा पूजा विधान, दोपहर में ऐतिहासिक मुरिया दरबार का आयोजन किया जाएगा। 24 अक्टूबर शनिवार कुटुम्ब जात्रा पूजा विधान ग्राम्य देवी-देवताओं की विदाई, 27 अक्टूबर मंगलवार मावली माता की डोली की विदाई पूजा विधान के साथ पर्व का औपचारिक समापन किया जाएगा। मां दंतेश्वरी को समर्पित यह 75 दिवसीय दशहरा पर्व अपनी अनूठी लोक-परंपराओं, जनजातीय संस्कृति और भव्य रस्मों के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प 2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

मृणाल का बॉस लेडी अवतार

ओवरसाइज़्ड पैंटसूट और स्नीकर्स लुक ने जीता फैंस का दिल

बॉलीवुड एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर जब भी कोई नया लुक शेयर करती हैं, तो फैंस का दिल धड़कना तय है। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिसमें उनका बॉस लेडी अवतार इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है।

मृणाल का यह पावर-पैक और ग्लैमरस स्टाइल स्टेटमेंट फैशन लवर्स के लिए एक परफेक्ट इंस्पिरेशन बन गया है। मृणाल ने इस फोटोशूट के लिए क्लासिक बेज शेड का पिनस्ट्राइप ओवरसाइज़्ड पैंटसूट चुना है।

उन्होंने ढीला-ढाला ओवरसाइज़्ड ब्लेज़र पहना है, जिसकी स्लीव्स को थोड़ा ऊपर करके एक कैजुअल लेकिन बॉसी टच दिया गया है। इसके साथ मैचिंग वाइड-लेग ट्राउज़र बेहद कम्फर्टेबल और ट्रेंडी लग रहा है।

ब्लेज़र के अंदर मृणाल ठाकुर ने सैटिन-लेस नेकलाइन वाला कैमिसोल पेयर किया है, जो पूरे लुक में एक बोल्ड और फेमिनिन टच जोड़ता है।

अपने इस फॉर्मल-कैजुअल फ्यूजन को कंप्लीट करने के लिए मृणाल ने हील्स के बजाय ऑनिटसुका टाइगर स्टाइल के व्हाइट और ब्लू स्नीकर्स पहने हैं, जो उनके लुक को एकदम कूल और ट्रेंडी बनाते हैं।

मृणाल का मेकअप और एक्सेसरीज़ उनके लुक को और भी निखार रहे हैं। उन्होंने गले में एक यूनीक गोल्डन बम्बू-स्टाइल चोकर नेकपीस पहना है और हाथों में स्टेटमेंट गोल्ड रिंग्स फ्लॉन्ट की हैं।

न्यूड मेकअप टोन, विंग्ड आईलाइनर, गालों पर हल्का ब्लश और ग्लोसी न्यूड-पिंक लिपस्टिक उनके फेशियल फीचर्स को परफेक्टली हाईलाइट कर रहे हैं।

तस्वीरों में मृणाल की खूबसूरती और कॉन्फिडेंस देखते ही बनता है। मृणाल का इंटेंस लुक और कैमरे की तरफ देखना फैंस को दीवाना बना रहा है। उनके चेहरे का ग्रेस और बोल्ड एटीट्यूड हर फ्रेंम को खास बना रहा है। मृणाल ठाकुर का यह न्यूड पैंटसूट लुक साबित करता है कि पावर ड्रेसिंग में भी एलिगेंस और ग्लैमर का तड़का कैसे लगाया जाता है।

मल्लिका शेरावत ने टॉम क्रूज को लेकर किया दावा

बोलीं- फोन होता तो वीडियो दिखाती...

बॉलवुड एक्टर मल्लिका शेरावत जल्द ही रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स' के सीजन 2 में नजर आएंगी। शो 13 अगस्त से प्रीमियर होगा। इससे पहले एक्ट्रेस का शो से एक क्लिप वायरल हो रहा है, जिसमें वो बता रही हैं कि हॉलीवुड एक्टर टॉम क्रूज का उनके ऊपर क्रश है।

टॉम क्रूज पर क्या बोलीं मल्लिका?

वायरल क्लिप में शो का हिस्सा बने कॉमेडियन आदित्य कुलश्रेष्ठ यानी कुल्लू मल्लिका से पूछते हैं कि क्या उन्हें कभी किसी पर क्रश हुआ है या फिर हर किसी को सिर्फ उन पर ही क्रश होता है?

इस पर मल्लिका कहती हैं, 'सबको मेरे पे ही आता है क्रश। टॉम क्रूज को आया हुआ है आजकल। झूठ नहीं बोल रही, मेरे पास फोन होता तो वीडियो दिखाती उसके।'

मल्लिका की यह बात सुनकर कुल्लू और अभिषेक मल्हान उनसे पूछते हैं कि टॉम क्रूज किस तरह के वीडियो भेज रहे हैं? क्या वह उन्हें स्नैप्स भेज रहे हैं?

इस पर मल्लिका जवाब देती हैं, 'नहीं, जब हम साथ में पार्टी कर रहे थे तब के हैं। वह शानदार हैं।'

क्या है 'द ट्रेटर्स 2'?

'द ट्रेटर्स' में कंटेस्टेंट्स एक साथ रहते हैं, लेकिन उन्हें गुप्त रूप से दो ग्रूप्स- ट्रेटर्स और इनोसेंट्स में बांटा जाता है। ट्रेटर्स का काम बिना पकड़े गए दूसरे कंटेस्टेंट्स को गेम से बाहर करना होता है, जबकि इनोसेंट्स को अपनी समझदारी, रणनीति और आपसी गठजोड़ के जरिए ट्रेटर्स को पहचानना होता है। शो में माइंड गेम्स, धोखा, रणनीति और हाई-स्टेक्स टास्क देखने को मिलते हैं। शो के पहले सीजन की विजेता उर्फी जावेद और निकिता लूथर थीं।

शो में नजर आएंगे 21 कंटेस्टेंट्स

करण जौहर द्वारा होस्ट किए जा रहे 'द ट्रेटर्स 2' में कुल 21 कंटेस्टेंट्स नजर आएंगे। इनमें मल्लिका शेरावत, मुनव्वर फारूकी, श्वेता तिवारी, रिया चक्रवर्ती, अभिषेक मल्हान, क्रिस्टल डिसूजा, पारुल गुलाटी, दलीप ताहिल, शाहनील गिल, शालिनी पासी, रणवीर बरार, आदित्य कुलश्रेष्ठ, हरमन बावेजा, प्रिश, रिदा थराना, साउंडस मौफाकिर और रैपर इक्का शामिल हैं।

रिया चक्रवर्ती का बड़ा खुलासा, 17 साल की उम्र में कमाती थी लाखों रुपये

रिया चक्रवर्ती ने अपने शुरुआती करियर के दिनों को याद किया। उन्होंने बताया कि 17-18 साल की उम्र में वीडियो जॉकी के तौर पर अपने करियर की शुरुआत की थी। अब उन्होंने शुरुआती दिनों को याद कर बड़ा खुलासा किया है।

एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती ने अपने करियर की शुरुआत बतौर एमटीवी वीडियो जॉकी की थी। उन्होंने कम उम्र में ही इंडस्ट्री में काम करना शुरू कर दिया था। वीडियो जॉकी के तौर पर रिया ने कई बड़े सेलिब्रिटीज का इंटरव्यू लिए। इसके बाद उन्होंने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा और साल 2024 में अपना क्लोदिंग ब्रांड चैप्टर 2 भी शुरू किया।

17 साल की उम्र में कमाती थीं इतने रुपये

कॉमेडियन और कंटेंट क्रिएटर तनमय भट्ट के यूट्यूब चैनल पर बातचीत के दौरान रिया ने अपनी वीडियो जॉकी की सैलरी के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि उस समय वीडियो जॉकी को काफी अच्छी सैलरी मिलती थी।

रिया ने कहा, 'उस समय एक वीडियो जॉकी की अच्छी कमाई होती थी। मुझे लगता है कि मेरी आखिरी सैलरी 3 लाख थी। लेकिन मैं उस समय सिर्फ 17-18 साल की थी, इसलिए मुझे लगता था कि मैं बहुत अमीर हूं।'

उन्होंने आगे बताया कि उन्होंने उस पैसे को अपने चेहरे की खूबसूरती पर खर्च कर दिया था। रिया ने कहा, 'मैंने ये पैसे अपना चेहरा ठीक कराने में खर्च कर दिए।'

जब तनमय भट्ट ने मजाक में रिया से पूछा कि क्या उन्हें भी अपना चेहरा 'ठीक' करवाना चाहिए, तो रिया ने कहा कि सभी को ऐसा करवा लेना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि आज के समय में इस तरह की टेक्नोलॉजी काफी आगे बढ़ चुकी है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो रिया चक्रवर्ती जल्द ही रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स 2' में नजर आने वाली हैं।, शो को करण जौहर होस्ट कर रहे हैं। इसमें कुल 21 सेलिब्रिटीज हिस्सा ले रहे हैं। 'द ट्रेटर्स 2' का प्रीमियर 13 अगस्त को प्राइम वीडियो पर होगा।

अशनीर ग्रोवर की बायोपिक में श्रद्धा कपूर का नया दांव, निर्माता बनकर कमाएंगी मुनाफा?

श्रद्धा कपूर को लेकर पिछले दिनों खबर आई थी कि वह भारतीय उद्यमी अशनीर ग्रोवर की बायोपिक में शामिल होंगी। रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि उन्हें ग्रोवर की पत्नी माधुरी जैन ग्रोवर का किरदार निभाते देखा जाएगा। इसके लिए उन्हें करीब 20 करोड़ रुपये की पेशकश की गई है। ताजा अपडेट है कि श्रद्धा इस परियोजना के निर्माताओं में से एक बनने और फिल्म के बौद्धिक संपदा अधिकारों में हिस्सेदारी लेने का रास्ता चुन सकती हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, श्रद्धा निर्माता के तौर पर अशनीर की बायोपिक का क्रेडिट ले सकती हैं और फिल्म के बौद्धिक संपदा अधिकारों में हिस्सेदारी हासिल कर सकती हैं। इससे उन्हें फीस एडवांस शुल्क के रूप में लेने के बजाय फिल्म के प्रदर्शन से लाभ उठाने का मौका मिलेगा। ये मुनाफा कमाने का एक तरीका है, जिसे बड़े-बड़े अभिनेता चुन रहे हैं। इसके जरिए ये अभिनेता एकमुश्त बड़ी फीस लेने के बजाय फिल्म में हिस्सेदारी लेते हैं।

बायोपिक को उद्यमी-पटकथा लेखक राहुल मोदी और निर्देशित कर रहे हैं, जो कथित तौर पर श्रद्धा के साथ अपने रिश्ते को लेकर चर्चा बटोरते हैं।

फिलहाल, श्रद्धा इस वक्त अपनी आगामी फिल्म ईथा को लेकर चर्चा में हैं, जिसके लिए उन्होंने 12 करोड़ से 15 करोड़ रुपये के बीच फीस वसूली है। दिनेश विजान के मैडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित फिल्म का निर्देशन लक्ष्मण उतेकर ने किया है, जो लावणी और तमाशा कलाकार विथाबाई भाऊ मांग नारायणगांवकर की बायोपिक है।

लकड़ी बनाम प्लास्टिक का चॉपिंग बोर्ड: इनमें से कौन-सा विकल्प है सब्जियां काटने के लिए बेहतर?

चॉपिंग बोर्ड एक जरूरी रसोई का सामान है, जिसका इस्तेमाल सब्जियों और अन्य खाद्य पदार्थों को काटने के लिए किया जाता है। बाजार में लकड़ी और प्लास्टिक के बने चॉपिंग बोर्ड, दोनों ही उपलब्ध हैं। हालांकि, इनमें से किसका चयन स्वास्थ्य के लिए बेहतर है? इस लेख में हम लकड़ी और प्लास्टिक के चॉपिंग बोर्ड के फायदे और नुकसान के बारे में विस्तार से जानेंगे, ताकि आप सही चयन कर सकें।

लकड़ी के चॉपिंग बोर्ड के फायदे

लकड़ी के चॉपिंग बोर्ड लंबे समय तक टिकाऊ होते हैं और सही देखभाल करने पर कई सालों तक काम करते रहते हैं।

इनका सबसे बड़ा फायदा यह है कि ये प्राकृतिक होते हैं और इनमें बैक्टीरिया को पनपने से रोकने की क्षमता होती है।

इसके अलावा लकड़ी के चॉपिंग बोर्ड पर काटने से खाने का स्वाद भी नहीं बदलता, जिससे खाना बनाते समय आपको कोई परेशानी नहीं होती।

ये प्लास्टिक के महीन कण भी नहीं छोड़ते हैं।

लकड़ी के चॉपिंग बोर्ड के नुकसान

लकड़ी के चॉपिंग बोर्ड को साफ करना थोड़ा मुश्किल हो सकता है, क्योंकि इन्हें साबुन और गर्म पानी से धोने पर भी गंदगी पूरी तरह से हट नहीं पाती।

इसके अलावा लकड़ी के बोर्ड पर गहरी खरोंचें पडने् से उनमें बैक्टीरिया फंस सकते हैं, जो सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं।

इसलिए, इन्हें समय-समय पर सही तरीके से साफ करना जरूरी है और ऐसी किसी भी समस्या से बचने के लिए इनकी देखभाल पर ध्यान दें।

प्लास्टिक के चॉपिंग बोर्ड के फायदे

प्लास्टिक के चॉपिंग बोर्ड हल्के होते हैं और इन्हें साफ करना भी आसान है। इन्हें साबुन और पानी से धोकर आसानी से साफ किया जा सकता है, जिससे इनमें किसी भी प्रकार की गंदगी या बैक्टीरिया फंसने का खतरा कम रहता है।

इसके अलावा प्लास्टिक के चॉपिंग बोर्ड सस्ते होते हैं और इन्हें आसानी से बदला जा सकता है। इन सभी खासियतों के कारण प्लास्टिक के चॉपिंग बोर्ड का इस्तेमाल करना कई लोगों को पसंद है।

प्लास्टिक के चॉपिंग बोर्ड के नुकसान

प्लास्टिक के चॉपिंग बोर्ड पर्यावरण के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं, क्योंकि इन्हें फेंकना मुश्किल होता है और प्लास्टिक लंबे समय तक जमीन पर पड़ी रहती है।

इसके अलावा प्लास्टिक के बोर्ड पर तेज चाकू से काटने पर खरोंचें पड़ सकती हैं, जिनमें बैक्टीरिया फंस सकते हैं।

इन कारणों से प्लास्टिक के चॉपिंग बोर्ड को लंबे समय तक इस्तेमाल करना सुरक्षित नहीं माना जाता, इसलिए इन्हें समय-समय पर बदलते रहना चाहिए।

किसका चुनाव रहेगा बेहतर?

अब सवाल यह है कि लकड़ी या प्लास्टिक में से किस चॉपिंग बोर्ड का चयन करना चाहिए? अगर आप लंबे समय तक टिकाऊ, प्राकृतिक और बैक्टीरिया मुक्त विकल्प चाहते हैं तो लकड़ी वाला चॉपिंग बोर्ड बेहतर रहेगा।

वहीं, अगर आप सफाई में आसानी चाहते हैं और सस्ते विकल्प की तलाश में हैं तो प्लास्टिक वाला चॉपिंग बोर्ड चुन सकते हैं।

दोनों ही विकल्पों के अपने फायदे और नुकसान हैं, इसलिए अपनी जरूरत और प्राथमिकता के अनुसार सही चयन करें।

खास-खबर

संवाद से सुलझेंगे विवाद देशभर में शुरू हुआ 'मीडियेशन फॉर द नेशन 3.0' अभियान

रायपुर। माननीय उच्चतम न्यायालय के मार्गदर्शन में देशभर में लंबित न्यायालयीन मामलों के त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए 1 अगस्त 2026 से 'मीडियेशन फॉर द नेशन 3.0' विशेष अभियान शुरू किया गया है। अभियान का उद्देश्य मध्यस्थता के माध्यम से ऐसे लंबित मामलों का आपसी सहमति से समाधान सुनिश्चित करना है, जिनमें समझौते की संभावना है। इसके जरिए आम नागरिकों में मध्यस्थता की सरलता, उपयोगिता और प्रभावशीलता के प्रति विश्वास बढ़ाने के साथ ही समाज में संवाद और आपसी समझ की भावना को मजबूत किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत जिला एवं तालुका न्यायालयों में लंबित ऐसे प्रकरणों की पहचान की जाएगी, जिनमें पक्षकारों के बीच समझौते की संभावना है। संबंधित पक्षकारों की सहमति से इन मामलों को मध्यस्थता के लिए भेजा जाएगा।

छग में मानसून की चालः कहीं झमाझम तो कहीं इंतजार

रायपुर । राज्य में मानसून का मिजाज मिला-जुला नजर आ रहा है। शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार 1 जून से 11 अगस्त 2026 की स्थिति में प्रदेश भर में औसतन 658.1 मिमी बारिश दर्ज की जा चुकी है, जो कि इस अवधि की 10 वर्षों की औसत बारिश (658.5 मिमी) के लिहाज से 99.9 प्रति. है। आंकड़े बताते हैं कि छत्तीसगढ़ का मानसून संतुलन की पटरी पर दौड़ रहा है, हालांकि जिलों के धरातल पर तस्वीर काफी अलग है। राज्य के मैदानी इलाकों में बादलों की मेहरबानी बरकरार है, जहां सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिला 189.8प्रति. (947.3 मिमी) बारिश के साथ पूरे प्रदेश में अव्वल बना हुआ है।

दुर्गम पहाड़ी गांव सरुवत में आंगनबाड़ी की नई शुरुआत

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में आंगनबाड़ी सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए किए जा रहे प्रयास अब जमीनी स्तर पर सकारात्मक बदलाव के रूप में दिखाई दे रहे हैं। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के वाड्रफनगर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत सरुवत इसका प्रेरक उदाहरण बनकर उभरा है, जहां वर्षों तक किराये के कमरे में संचालित होने वाली आंगनबाड़ी अब अपने नवीन भवन में बच्चों के समग्र विकास का केंद्र बन गई है। पहाड़ों के बीच बसे इस गांव में लंबे समय तक स्थायी भवन के अभाव में बच्चों और गर्भवती एवं शिशुवती माताओं को आंगनबाड़ी सेवाओं का लाभ लेने में कठिनाई होती थी। सीमित स्थान और संसाधनों के बीच संचालित केंद्र में पोषण, स्वास्थ्य परीक्षण और प्रारंभिक शिक्षा गतिविधियों को व्यवस्थित रूप से संचालित करना चुनौतीपूर्ण था। देखते हुए शासन की विभिन्न योजनाओं के अभिसरण से इसका समाधान किया गया।

औषधि पौधों की खेती किसानों की आय बढ़ाने का प्रभावी माध्यमः केदार कश्यप

हरेली तिहार पर किसानों को बड़ा उपहारः औषधि पौधों की खेती के लिए 54.36 लाख रुपये की अग्रिम प्रोत्साहन राशि वितरित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पारंपरिक फसलों की तुलना में औषधीय पौधों की खेती में कम लागत, कम पानी और कम रासायनिक खादों की आवश्यकता होती है, जबकि राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में उच्च मांग के कारण किसानों को कई गुना अधिक मुनाफा मिलता है। अश्वगंधा, शतावर, एलोवेरा, तुलसी और लेमनग्रास जैसी फसलें कम जोस और खर्च में किसानों की आय बढ़ाने का बेहतरीन विकल्प हैं।

हरेली तिहार की पूर्व संध्या पर छत्तीसगढ़ शासन ने औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती करने वाले किसानों को प्रोत्साहित किया। वन विभाग के अंतर्गत छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड द्वारा आयोजित कार्यक्रम में नारायणपुर (अबूझमाड़) और धमतरी जिले के किसानों तथा स्व-सहायता समूहों को कुल 54 लाख 36 हजार रुपये की अग्रिम प्रोत्साहन राशि वितरित की गई। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप आज राजधानी स्थित राज्य वन अनुसंधान भवन जीरो पॉइंट में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ राज्य औषधीय पादप बोर्ड के अध्यक्ष विकास मरकाम ने की और उपाध्यक्ष अंजय शुक्ला तथा विधायक अनुज शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि औषधि पौधों की खेती किसानों के लिए कम लागत और अधिक लाभ वाला विकल्प बनकर उभर रही है। इसमें पानी की आवश्यकता कम होती है, कीटनाशकों पर खर्च नहीं के बराबर होता है और खेत की मेड़ों पर औषधीय पौधे लगाकर अतिरिक्त आय भी अर्जित की जा सकती है। उन्होंने कहा कि हरेली छत्तीसगढ़ का सबसे प्राचीन और कृषि संस्कृति से जुड़ा पर्व है। इस अवसर पर किसानों को औषधि पौधों की खेती के लिए अग्रिम राशि देना वास्तव में हरेली तिहार का उपहार है, जो किसानों को नई आर्थिक ताकत देगा।

इस अवसर पर वन मंत्री केदार कश्यप का स्वागत बोर्ड के अध्यक्ष विकास मरकाम, उपाध्यक्ष अंजय शुक्ला और बोर्ड के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जे.ए.सी.एस. राव ने स्व-सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार खुमरी की माला और पुष्पगुच्छ भेंट कर किया। कार्यक्रम में बोर्ड के अध्यक्ष विकास मरकाम ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और वन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में बोर्ड वनौषधियों के संरक्षण, संवर्धन, पारंपरिक ज्ञान के संरक्षण, वैद्यों के क्षमता विकास और किसानों की आय बढ़ाने के लिए लगातार कार्य कर रहा है।

उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में विलुप्ति के कगार पर पहुंच चुकी लगभग 50 दुर्लभ औषधीय प्रजातियों के संरक्षण और संवर्धन का कार्य भी प्रारंभ किया गया है।

हमारी पारंपरिक स्वास्थ्य प्रणाली का आधार वनौषधि

बोर्ड के उपाध्यक्ष अंजय शुक्ला ने कहा कि वनौषधियों का महत्व हमारी पारंपरिक स्वास्थ्य प्रणाली का आधार है। ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी लोग प्राकृतिक औषधीय पौधों का उपयोग करते हैं और यही हमारी स्वास्थ्य परंपरा की सबसे बड़ी ताकत है। कार्यक्रम में बोर्ड के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जे.ए.सी.एस. राव ने बताया कि बोर्ड औषधीय पौधों की खेती को मिशन मोड में बढ़ावा दे रहा है। किसानों को नि:शुल्क पौधे उपलब्ध कराए जाते हैं और उपज की खरीद की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाती है, जिससे उन्हें खेती में किसी प्रकार की विपणन कठिनाई का सामना न करना पड़े।

प्रदेश में लक्ष्य का 94 प्रतिशत बोनी पूर्ण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश में खेती किसानी का कार्य जोरों पर हैं। राज्य में 11 अगस्त की स्थिति में राज्य के 45.62 लाख हेक्टेयर क्षेत्रों में लक्ष्य का 94 प्रतिशत बोनी पूर्ण हो चुकी है। इस खरीफसीजन में 48.69 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बोनी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किसानों को खेती-किसानी में सहुलियतें प्रदान करने के लिए सभी आवश्यक सहयोग करने संबंधित अधिकारियों निर्देशित किए गए हैं।

उन्होंने किसानों को उनकी मांग के अनुसार सुगमता के साथ प्रमाणित खाद-बीज का वितरण करने को कहा हैं। खाद-बीज वितरण व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही पर कड़ी कार्यवाही करने के भी निर्देश दिए हैं। साथ ही सोसायटियों में पर्याप्त खाद-बीज का भण्डारण कर सतत निगरानी करने को कहा गया है। कृषि विकास एवं किसान

कल्याण मंत्री रामविचार नेताम के मार्गदर्शन में कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा इन पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है।

कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश के किसानों को अब तक 11.23 लाख मीट्रिक टन खाद और 4.55 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज का वितरण किया जा चुका है। कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में मानसून की बौछारों के साथ शुरू हुए खेती-किसानी में बोनी का रकबा भी निरंतर बढ़ते जा रहा है। राज्य में अब तक 45.62 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में विभिन्न फसलों जैसे धान, मक्का, कोदो, कुटकी, अरहर, मूंग, मूंगफली, रामतिल आदि की बोनी हो चुकी है, जो लक्ष्य का 94 प्रतिशत है। इस खरीफ सीजन में राज्य सरकार ने 48.69 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बोनी का लक्ष्य रखा है। प्रदेश में इस खरीफसीजन में 15.55 लाख मीट्रिक टन उर्वरक वितरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उक्त लक्ष्य के विरूद्ध 15.83 लाख मीट्रिक टन उर्वरकों का सहकारी एवं निजी क्षेत्रों में भंडारण किया गया है। उक्त भंडारण के विरूद्ध 11.23 लाख मीट्रिक टन उर्वरकों का वितरण किसानों को किया जा चुका है, जो लक्ष्य का 71 प्रतिशत है।

इसी प्रकार खरीफ सीजन 2026 के लिए बीज निगम द्वारा प्रदेश में 4.95 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज वितरण का लक्ष्य रखा गया है, जिसके विरूद्ध 4.80 लाख क्विंटल बीज का भंडारण कर अब तक 4.55 लाख क्विंटल बीज का वितरण किसानों को किया जा चुका है, जो मांग का 92 प्रतिशत है। अधिकारियों ने बताया कि 11 अगस्त सुबह तक की स्थिति में प्रदेश में अब तक 658.1 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है, जबकि प्रदेश की औसत वार्षिक वर्षा 1246.3 मिमी है। गौरतलब है कि औसत दर्ज वर्षा जिलों की आज तक की औसत वर्षा पिछले 10 वर्षो के आधार पर 658.5 मिमी. से 0.4 मिली मीटर कम है।

अधिकारियों ने बताया कि राज्य सरकार किसानों को खेती-किसानी में सहूलियते हो इस उद्देश्य से किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से अल्प कालीन कृषि ऋ ण उपलब्ध करा रहे है। चालू खरीफ सीजन 2026 के लिए 10 अगस्त की स्थिति में 7487.46 करोड़ रूपए का ऋण वितरण किया है, जबकि गत वर्ष इसी अवधि में 6267.86 करोड़ रूपए का ऋण वितरण किया गया था। इस वर्ष किसानों को 8800 करोड़ रूपए ऋ्रण वितरण किये जाने का लक्ष्य रखा गया है।

आजादी के उत्सव में आत्मनिर्भरता की झलक, 'जय माता दी' समूह के उत्पाद बने आकर्षण का केंद्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आजादी का अर्थ केवल बंधनों से मुक्ति नहीं, बल्कि अपने सपनों को पूरा करने और अपने पैरों पर खड़े होने की स्वतंत्रता भी है। यही भावना आज महिला स्व-सहायता समूहों के रूप में साकार हो रही है, जहां महिलाएं अपने हुनर और मेहनत को आत्मनिर्भरता का माध्यम बनाकर परिवार और समाज की प्रगति में योगदान दे रही हैं। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर कोरबा में लगा 'जय माता दी' स्व-सहायता समूह का स्टॉल इसी आत्मनिर्भरता और स्वावलंबन की प्रेरक तस्वीर प्रस्तुत कर रहा है। तिरंगे के रंगों और देशभक्ति की भावना से सजे इस स्टॉल में समूह की महिलाओं के हुनर, रचनात्मकता और मेहनत की झलक देखने को मिल रही है।

रजगामार, कोरबा की श्रीमती कीर्ति प्रजापति से जुड़ा 'जय माता

दी' स्व-सहायता समूह 13 महिलाओं का समूह है।

वर्ष 2019 से समूह के साथ जुड़कर कीर्ति प्रजापति सहित अन्य महिलाएं विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से अपने हुनर को आजीविका का साधन बना रही हैं। समूह की महिलाएं रचनात्मकता और मेहनत के साथ आकर्षक उत्पाद तैयार करती हैं, जिन्हें विभिन्न अवसरों पर स्टॉल के माध्यम से लोगों तक पहुंचाया जाता है।

घर-घर आन-बान और शान से फहराएं तिरंगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने और स्वच्छता के प्रति जनचेतना को सशक्त बनाने के लिए तिरंगा रैली में नागरिक बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले रहे है। उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंक राम वर्मा की अगुवाई में आज सारंगढ़ में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। भारत माता की पूजा-अर्चना के साथ शुरू हुई यह यात्रा भारत माता चौक, नंदा चौक और अटल परिसर से होते हुए रानी लक्ष्मी बाई कॉम्प्लेक्स पहुंचकर संपन्न हुई। यात्रा के दौरान हजारों स्कूली बच्चों के 'भारत माता की जय' और 'जय जवान, जय किसान' के ओजस्वी नारों से पूरा शहर देशभक्ति के रंग में रंग गया।

तिरंगा यात्रा के समापन अवसर पर उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने नागरिकों से अपने-अपने घरों पर शान से तिरंगा लहराने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। तिरंगा हमारा राष्ट्रीय स्वाभिमान है, जिसकी रक्षा के लिए लाखों देशभक्तों ने अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। इसका चक्र हमारे देश और प्रदेश की निरंतर प्रगति का प्रतीक है। जब बात तिरंगे की आती है, तो हम सभी जाति, पात और धर्म से ऊपर उठकर एक हो जाते हैं। उन्होंने झांसी की रानी, मंगल पांडे और भगत सिंह जैसे अमर बलिदानियों को नमन करते हुए उनके पदचिह्नों पर चलने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष और उपाध्यक्ष,पूर्व विधायक केराबाई मनहर, पूर्व सैनिकगण, जनप्रतिनिधि, कलेक्टर,पुलिस अधीक्षक,गणमान्य नागरिक और भारी संख्या में स्कूली बच्चे उपस्थित थे।

हुनर को रोजगार बना आत्मनिर्भर बन रहीं बिहान की महिलाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन के स्नेह और अटूट रिश्ते का प्रतीक है। इस पवित्र रिश्ते को मजबूत करने वाली राखियां अब ग्रामीण महिलाओं के हुनर, मेहनत और आत्मनिर्भरता की पहचान भी बन रही हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) बिहान से जुड़ी स्व-सहायता समूहों की महिलाएं स्थानीय सामग्री और अपनी रचनात्मकता का उपयोग कर आकर्षक एवं पारंपरिक राखियां तैयार कर रही हैं। इनके निर्माण और बिक्री से महिलाओं को स्वरोजगार के साथ अतिरिक्त आय का अवसर मिल रहा है।

जांजगीर-चांपा जिले के बलौदा विकासखंड की ग्राम पंचायत रसौटा की जागृति स्व-सहायता समूह की महिलाओं सहित जिले के

विभिन्न ग्राम पंचायतों की समूह सदस्य इन दिनों राखी निर्माण में जुटी हैं। महिलाएं धान, चावल, रंगीन मोती, नग, स्टोन, ऊन, मौली एवं रेशम के धागों सहित विभिन्न रंग-बिरंगी सजावटी सामग्रियों का उपयोग कर आकर्षक राखियां तैयार कर रही हैं।

बाजार से आवश्यक सामग्री खरीदने के बाद महिलाएं इन्हें अपने घरों में कलात्मक रूप देकर सुंदर राखियों का रूप देती हैं। स्व-सहायता समूहों द्वारा तैयार राखियों को स्थानीय बाजारों और विभिन्न बिक्री केंद्रों के माध्यम से लोगों तक पहुंचाया जा रहा है। महिलाओं ने कलेक्टोरेट परिसर में भी स्टॉल लगाकर अपनी हस्तनिर्मित राखियों की बिक्री की। पर्व के अवसर पर इन राखियों को लोगों की अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है, जिससे समूह की महिलाओं को अपनी मेहनत का बेहतर मूल्य प्राप्त हो रहा है।

जागृति स्व-सहायता समूह की सचिव सुनीता अनंत ने बताया कि समूह की महिलाओं द्वारा तैयार राखियों की स्थानीय बाजारों के साथ कलेक्टोरेट परिसर में भी बिक्री की गई। इससे उन्हें अच्छी आमदनी प्राप्त हो रही है। उन्होंने बताया कि बिहान से जुड़ने के बाद महिलाओं को अपने हुनर को आगे बढ़ाने और उसे आय के साधन में बदलने का अवसर मिला है।

'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत प्रभारी मंत्री राजेश अग्रवाल ने हरी झंडी दिखाकर तिरंगा बाइक रैली को किया रवाना

जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और नागरिकों ने उत्साह के साथ लिया हिस्सा, घर-घर तिरंगा फहराने का किया आह्वान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वतंत्रता दिवस के राष्ट्रीय पर्व को देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना के साथ मनाने के उद्देश्य से गौरेला पेन्ड्रा मरवाही में 'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत भव्य तिरंगा बाइक रैली का आयोजन किया गया। जिले के प्रभारी मंत्री राजेश अग्रवाल ने कलेक्टोरेट परिसर से तिरंगा बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। तिरंगा हाथों में थामे बाइक और स्कूटी सवारों का उत्साह देखते ही बन रहा था। रैली के दौरान गूंजते देशभक्ति के नारों ने पूरे वातावरण को राष्ट्रप्रेम से सराबोर कर दिया।

तिरंगा बाइक रैली में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों तथा समाज के विभिन्न वर्गों के नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। रैली में शामिल प्रतिभागियों ने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर देश के प्रति सम्मान, समर्पण और राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। तिरंगा बाइक रैली का शुभारंभ कलेक्टोरेट परिसर से हुआ। यहां से रैली दुर्गा चौक पेंड्रा होते हुए पुलिस कंट्रोल रूम, थाना गौरेला तक पहुंचा। मार्ग में लोगों ने उत्साह के साथ रैली का स्वागत किया। बाइक और स्कूटी पर

जनभागीदारी से मजबूत होगा राष्ट्रप्रेम का भाव

रैली में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और आम नागरिकों की सहभागिता ने अभियान को व्यापक जनभागीदारी प्रदान की। विभिन्न वर्गों के लोगों ने एक साथ तिरंगा लेकर रैली में भागीदारी की और 'एकता में विविधता तथा भाईचारे' की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया।

सवार प्रतिभागियों के हाथों में लहराता तिरंगा स्वतंत्रता दिवस के उल्लास और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक बनकर दिखाई दिया। रैली के दौरान 'भारत माता की जय' सहित देशभक्ति के नारों से वातावरण गूंजता रहा। बड़ी संख्या में नागरिकों की सहभागिता ने यह संदेश दिया कि राष्ट्रध्वज केवल एक प्रतीक नहीं, बल्कि देश की एकता, अखंडता और गौरव का प्रतीक है।

इस अवसर पर मरवाही विधायक एवं उपाध्यक्ष, मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण प्रणव कुमार मरपच्ची, जिला पंचायत अध्यक्ष समीरा पैकरा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजा उपेंद्र बहादुर सिंह, नगर पालिका गौरेला अध्यक्ष मुकेश दुबे, कलेक्टर विजय दयाराम के. एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मुकेश रावटे सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

तिरंगे के सम्मान के साथ राष्ट्रीय एकता का संदेश

'हर घर तिरंगा' अभियान के माध्यम से जिलेवासियों को राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान, देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और भाईचारे की भावना को और मजबूत करने का संदेश दिया गया। रैली में शामिल लोगों ने स्वतंत्रता संग्राम के वीर सेनानियों और देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले महान सपूतों को स्मरण करते हुए राष्ट्रीय पर्व को पूरे उत्साह के साथ मनाने का संकल्प लिया। प्रभारी मंत्री राजेश अग्रवाल ने जिलेवासियों से 'हर घर तिरंगा' अभियान में सक्रिय सहभागिता करने और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने-अपने घरों में तिरंगा फहराने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है तथा इसे सम्मानपूर्वक अपने घरों पर फहराकर प्रत्येक नागरिक राष्ट्र के प्रति अपनी भावना को अभिव्यक्त कर सकता है।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन का कमाल

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किसानों की आय बढ़ाने, खेती की लागत कम करने और मोटे अनाजों के उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लगातार प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। कृषि विभाग द्वारा चलाए जा रहे राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन के तहत राज्य के कृषकों को उन्नत कृषि तकनीक, गुणवत्तापूर्ण बीज और आवश्यक कृषि आदान (उर्वरक व दवाएं) उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिसके सकारात्मक परिणाम अब धरातल पर नजर आने लगे हैं। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन के तहत किसानों को पारंपरिक फसलों के साथ-साथ अधिक उत्पादन देने वाली फसलों की ओर प्रेरित किया जा रहा है, जिससे प्रदेश में कृषि उत्पादन और किसानों की खुशहाली को नई गति मिल रही है।

शराब पार्टी के दौरान गर्लफ्रेंड की थप्पड़ से बेसुध हुआ युवक, देर रात छत पर पड़ा मिला शव

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग-भिलाई। शराब पार्टी के बाद युवक की गर्लफ्रेंड के घर संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बताया जाता है कि गर्लफ्रेंड ने उसे थप्पड़ जड़ दिया था, जिसके बाद वह छत पर बेसुध हालत में मिला। गर्लफ्रेंड ने उसे सीआरपी दी, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई।

बाद में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां जांच के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शुरुआती जांच में युवा जोड़े के बीच विवाद की बात सामने आई है। घटना के समय उनके साथ एक और कपल भी शराब पार्टी कर रहा था। पुलिस सभी के बयान दर्ज कर पूछताछ कर रही है।

जानकारी के मुताबिक सिद्धांत दान (28) सोमवार रात अपनी गर्लफ्रेंड

अंजलीना के घर पहुंचा था। उस समय घर पर अंजलीना के साथ रायगढ़ की रहने वाली सहेली निमिषा, उसका बॉयफ्रेंड गौरव और बोरसी की ग्रेसी भी मौजूद थीं। सभी ने साथ बैठकर शराब पी। इसी दौरान सिद्धांत और अंजलीना के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। सिद्धांत ने अंजलीना को गाली दी, जिसके बाद अंजलीना ने उसे थप्पड़ मार दिया।

विवाद के बाद सिद्धांत गुस्से में घर की छत पर चला गया। कुछ देर बाद अंजलीना उसे देखने के लिए छत पर पहुंची तो सिद्धांत वहां बेसुध पड़ा मिला। अंजलीना ने सिद्धांत को होश में लाने की कोशिश की और उसे सीपीआर भी दिया, लेकिन उसकी ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई। इसके बाद अंजलीना और घर में मौजूद अन्य लोग उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे।

खास खबर

असम में लापता हुए बीएसएफ जवान की संदिग्ध मौत

बतौली। असम में बीएसएफ की 66वीं बटालियन में पदस्थ बतौली क्षेत्र के जवान कमलेश केरकेट्टा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से उनके परिवार और गांव में शोक की लहर है। कैंप से लापता होने के दो दिन बाद उनका शव करीब एक किलोमीटर दूर दूसरे गांव में मिला। 11 अगस्त को जवान का पार्थिव शरीर उनके गृहग्राम कपाटबहरी लाया गया, जहां उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर देकर सैन्य सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण, परिजन और आसपास के लोग मौजूद रहे।

खेत से लौटे तो गेट पर चिपकी मिली बेटी

बतौली। सरगुजा जिले के बतौली थाना क्षेत्र के ग्राम झरगंवा निवासी रतिराम पैंकरा की बेटी सलीना पैंकरा (25) सोमवार को घर में अकेली थी। परिवार के अन्य सदस्य खेत में रोपा लगाने गए हुए थे। सलीना घर में लगे लोहे के दरवाजे को खोलने पहुंची। दरवाजे में बिजली प्रवाहित हो रही थी। सलीना करंट की चपेट में आ गई और वहीं चिपक गई। परिजन जब शाम को घर लौटे तो सलीना को लोहे के दरवाजे में अचेत अवस्था में चिपका हुआ देखा। बतौली पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया है।

स्टील प्लांट में मजदूर की मौत पर एफआईआर दर्ज

राजनांदगांव। टेड़ेसरा के कल्याणी इस्पात संयंत्र मजदूर की मौत मामले में सोमनी पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने ठेकेदार व उसके दो सुपरवाइजर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। कंपनी में हापर ग्राइंडिंग का काम चल रहा था। इसी दौरान 24 अप्रैल को हापर ढह गया। जिसकी चपेट में आने वाले 56 वर्षीय मजदूर प्रकाश कोले की मौत हो गई। सोमनी पुलिस ने मामले की जांच शुरु की। जिसमें सामने आया कि कंपनी में सिद्धी विनायक इंजीनियरिंग के ठेकेदार जसमीत बेहरा द्वारा ग्राइंडिंग कार्य किया जा रहा था। जिसमें सुपरवाइजर आशीष बेहरा और टोटन बेरा द्वारा सुरक्षा कार्य में लापरवाही बरती गई। पुलिस ने तीनों पर धारा 106(1),3 (5) के तहत अपराध दर्ज कर लिया गया है।

अवैध प्लाटिंग पर निगम ने चौथी बार भेजा नोटिस

राजनांदगांव। शहर के अभिनंदन गैलेक्सी परिसर में अवैध प्लॉटिंग के मामले में नगर पालिक निगम ने संबंधितों को चौथी बार नोटिस जारी कर तीन दिन के भीतर जवाब प्रस्तुत करने और अवैध प्लॉटिंग हटाने के निर्देश दिए हैं। जवाब नहीं देने की स्थिति में निगम ने वैधानिक कार्रवाई की चेतावनी दी है। अभिनंदन गैलेक्सी द्वारा खसरा नंबर 268/70, 268/71, 268/78 और 268/79 को शामिल कर उक्त खसरों पर सीसी रोड एवं नाली का निर्माण किया गया है।

रायगढ़ मेडिकल कालेज अस्पताल से गायब हो गया मरीज, पांच घंटे बाद टायलेट में मिला शव

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। लखीराम अग्रवाल स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय हॉस्पिटल का एक मरीज सुबह 6 बजे अपने बिस्तर से गायब मिला। घर वालों ने उसे काफी तलाश की पर वह नहीं मिला। करीब 10.30 बजे एक मरीज टायलेट गया तो उसकी चीख निकल गई। लापता मरीज टायलेट की खिड़की से लटका हुआ मिला। मरीज आदतन शराबी था और शायद शराब की तलब होने पर ही वार्ड से निकला था। मेडिकल कालेज में 140 सीसीटीवी कैमरे भी लगे हैं।

सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के भिखमपुरा निवासी नारद लहरे (50), 9 अगस्त से मेडिसिन वार्ड में भर्ती था। मंगलवार सुबह करीब 5 बजे वह वार्ड से गायब हो गया था। पत्नी और वार्ड बॉय ने काफी देर तक उसकी तलाश की, लेकिन उसका पता नहीं चला। सुबह करीब साढ़े 10 बजे एक मरीज के अटेंडर ने टॉयलेट की खिड़की पर उसका शव देखा। मरीज की लाश गायनिक वार्ड के पास बने कॉमन टॉयलेट की खिड़की से लटक रही थी।

बताया जा रहा है कि नारद लहरे मेडिसिन वार्ड से निकलकर सीढ़ियों के रास्ते नीचे आया था। इसके बाद वह गायनिक वार्ड के पास बने कॉमन टॉयलेट में पहुंचा। वहां उसने फंदा लगाकर जान दे दी। करीब साढ़े पांच घंटे तक उसके वार्ड से गायब रहने के बावजूद उसके दूसरे हिस्से में पहुंचने की जानकारी नहीं मिल सकी।

सुबह करीब साढ़े 10 बजे एक अन्य मरीज का अटेंडर कॉमन टॉयलेट में गया। वहां शव देखकर उसने तत्काल अस्पताल के कर्मचारियों को सूचना दी। कुछ ही देर में अस्पताल के अधिकारी-कर्मचारी और सुरक्षा गार्ड मौके पर पहुंच गए।

मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल की ओर से पुलिस को दी गई सूचना के अनुसार, नारद लहरे शराब पीने का आदी था और उसे लिवर संबंधी बीमारी थी। उसे 9 अगस्त की शाम अस्पताल में भर्ती किया गया था। मेडिसिन वार्ड में उसका इलाज चल रहा था। मंगलवार सुबह करीब 5 बजे वह अपने वार्ड से बाहर चला गया था। उसकी पत्नी के अनुसार, वह सो रही थी, तभी नारद बेड से उठकर बाहर चला गया। मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में निगरानी के लिए 140 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।

सुरक्षा व्यवस्था के लिए गार्ड और बाउंसर भी तैनात हैं। अस्पताल में जनरल ड्यूटी के लिए 18 गार्ड और तीन पालियों में 4 बाउंसर तथा 22 सुरक्षा कर्मी तैनात रहने की जानकारी दी गई है।

सार संक्षेप

दुष्कर्म के आरोपी को 20 साल सश्रम कारावास

राजनांदगांव। नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट के न्यायाधीश अनिल कुमार बारा ने 20 साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। विशेष लोक अभियोजक प्रिया कांकरिया ने बताया कि आरोपी विक्की ने नाबालिग को शादी का प्रलोभन देकर एक साल तक उसका शारीरिक शोषण किया। इस बीच नाबालिग गर्भवती हो गई। जानकारी मिलते ही परिजनों ने मामले की शिकायत तुमड़ीबोड़ चौकी में दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। मामले की सुनवाई पूरी होने के बाद कोर्ट ने आरोपी को 20 साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई।

रील के लिए हेलीपैड पर स्टंट करने वाले गिरफ्तार

कोरबा। सोशल मीडिया पर लाइक्स और व्यूज पाने के चक्कर में हेलीपैड ग्राउंड युवाओं के बीच स्टंटबाजी का अड्डा बन गया है। पूर्व में कई मामले आने के बाद फिर एक बार वहां चलती बोलेरो की खिड़की से बाहर निकलकर एक युवक शराब की बोतल हाथ में लिए स्टंट करता नजर आया। वीडियो वायरल होने के बाद मानिकपुर चौकी पुलिस ने मामले को संज्ञान में लिया। चालक राहुल पटेल पर कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। वहीं स्टंटबाजी में प्रयुक्त बोलेरो सीजी-12-बीके-5855 को जब्त कर लिया गया।

एनालॉग-पनीर के बाद अब दूध वालों पर नजर

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में एनालॉग पनीर के उत्पादन और बिक्री पर प्रतिबंध के बाद बिलासपुर में खाद्य-औषधि प्रशासन विभाग ने दूध विक्रेताओं की निगरानी भी बढ़ा दी है। दूध की सप्लाई करने वाले हॉकरों से गुणवत्ता जांच के लिए दूध के 19 नमूने लिए गए हैं। सभी सैंपल को जांच के लिए लैब भेजा गया है। बिलासपुर जिले में खाद्य-औषधि प्रशासन विभाग लगातार जांच और छापेमारी कर रहा है। विभाग की टीम रेस्टोरेंट, ढाबों के साथ दूध और दूध से बने उत्पाद तैयार करने वाली डेयरियों की भी जांच कर रही है।

मवेशी तस्करी केस का चौथा आरोपी गिरफ्तार

रामचन्द्रपुर। मवेशी तस्करी के मामले में रामचंद्रपुर पुलिस ने एक चौथे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान अशरफ अली अंसारी 37 वर्ष, पिता कलीम अंसारी, निवासी ग्राम दौलंगी, थाना रामचंद्रपुर के रूप में हुई है। ग्रामुरंगा निवासी उदय कुमार सिंह ने 16 जुलाई को थाना रामचंद्रपुर में शिकायत की थी। शिकायत के अनुसार कुछ लोग गाय-बछड़ों को मारते-पीटते बूचड़खाने की ओर ले जा रहे थे। आवाज लगाने पर मवेशियों को छोड़कर भाग गए थे। पुलिस ने पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 की धारा 11 के तहत मामला दर्ज कर तीन लोगों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था।

60 नशे में, 18 बिना नंबर; 78 पर कार्रवाई

रायपुर। राजधानी में ट्रैफिक पुलिस ने ड्रिंक एंड ड्राइव के खिलाफ सघन जांच अभियान चलाया। 10 अगस्त की रात हुई जांच में नशे की हालत में वाहन चलाते मिले 60 लोगों समेत कुल 78 वाहन चालकों पर वैधानिक कार्रवाई की गई। इनमें 18 बिना नंबर के वाहन भी शामिल हैं। अभियान अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त यातायात राम कुमार बर्मन और सभी सहायक पुलिस आयुक्त यातायात के नेतृत्व में चलाया गया। पुलिस टीम ने आधुनिक ब्रीथ एनालाइजर मशीनों से वाहन चालकों की जांच की। कार्रवाई में 37 कार, 34 दोपहिया, 4 टाटा एस पिकअप, एक ऑटो मैजिक और 2 ट्रक शामिल रहे।

19 वारंट तामील, हथियार के साथ 3 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। स्वतंत्रता दिवस को देखते हुए रायपुर पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। नॉर्थ जोन पुलिस ने 10 और 11 अगस्त को विशेष अभियान चलाकर करीब 300 निगरानी बदमाशों, असामाजिक तत्वों और संदिग्ध लोगों की जांच की। इनमें से करीब 130 लोगों पर कार्रवाई की गई। पुलिस ने सार्वजनिक जगहों पर शराब पीने वाले 100 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया। वहीं हथियार लेकर घूम रहे 3 लोगों को पकड़ा गया। 8 बदमाशों और संदिग्धों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई कर उन्हें जेल भेजा गया। अभियान के दौरान पुलिस ने लंबे समय से फरार 6 स्थायी वारंटियों को पकड़ा।

प्रेमविवाह के बाद करती थी पति की पिटाई, अब हत्या के आरोप में गई जेल

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। सुभाष ब्लॉक एसईसीएल कॉलोनी निवासी एक विवाहिता को अपने पति की हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। दंपती ने प्रेम विवाह किया था। विवाह के बाद से ही वह अपने पति के साथ मारपीट करती थी।

मानिकपुर चौकी अंतर्गत सुभाष ब्लॉक में 15 जुलाई को अंकित सोनवानी घायल मिला। उसका पैर कटा हुआ था। परिजन उसे एसईसीएल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां से

उसे रेफर किया गया। वहां पहुंचने पर उसे मृत घोषित कर दिया गया।

अंकित की बहन अंकिता ने उसकी पत्नी प्रिया सोनवानी पर हत्या का संदेह जताते हुए पुलिस से शिकायत की थी। अंकिता ने बताया कि करीब एक साल पहले अंकित ने प्रिया सोनवानी से प्रेम विवाह किया था। प्रिया गुसैल थी तथा अंकित से मारपीट करती थी। पहले भी प्रिया ने अंकित को जान से मारने का प्रयास किया था और धमकी दिया करती थी।

घटना दिनांक को अंकित पर प्रिया ने चाकू से जानलेवा हमला किया, जिससे इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने शिकायत व प्रारंभिक जांच के आधार पर आरोपी पत्नी प्रिया के खिलाफ केस दर्ज कर लिया।

उधारी की रकम लौटाने के लिए छाप रहे थे नकली नोट, पुलिस ने धर दबोचा

श्रीकंचनपथ समाचार

कवर्धा। कबीरधाम जिले में नकली नोट तैयार कर उन्हें असली बताकर खपाने वाले गिरोह का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। बोडला थाना क्षेत्र की चौकी पोंडी और साइबर टीम की संयुक्त कार्रवाई में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे और प्रकरण में जब्त सामग्री को मिलाकर कुल 12.50 लाख रुपये के नकली नोट बरामद किए गए हैं। इसके अलावा नकली नोट तैयार करने में इस्तेमाल कलर प्रिंटर, मोबाइल फोन और टाटा पंच ईवी कार भी पुलिस ने जब्त की है।

मामले की शुरुआत ग्राम कमराखोल निवासी दिनेश कुमार यादव की शिकायत से हुई। दिनेश ने अप्रैल 2026 में घुरवा राम को 3.75 लाख रुपये उधार दिए थे। रकम वापस मांगने पर घुरवा राम ने पैसे लौटाने का भरोसा दिलाया और 9 अगस्त की रात ग्राम पोंडी स्थित शराब भट्टी के पास रकम लेने के लिए बुलाया।

दिनेश कैलाश चंद्रवंशी के साथ मौके पर पहुंचा। वहां सतीश कुमार और उसके एक साथी ने काले बैग में रकम सौंपी। 4.50 लाख रुपये का भुगतान 500-500 रुपए के नकली नोटों से किया गया थाा। इसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई।

ड्रंक ड्राइव और स्टंट-बाजी करने पर गाड़ी होगी जब्त

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग-भिलाई। शिव महापुराण, गणेश चतुर्थी, नवरात्रि और दीपावली जैसे बड़े आयोजनों के दौरान शहर में ट्रैफिक का दबाव भी बढ़ने की संभावना है। इसे देखते हुए पुलिस ने यातायात व्यवस्था को लेकर अभी से तैयारी शुरू कर दी है।

पुलिस उपमहानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कंट्रोल रूम में समीक्षा बैठक ली। एसएसपी ने निर्देश दिए कि त्योहारों के दौरान यातायात व्यवस्था को लेकर लगातार सतर्क रहें। प्रमुख स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती, वाहन चेकिंग और यातायात नियंत्रण की

व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

एसएसपी ने शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके अलावा मालवाहक वाहनों में सवारी बैठाने, सड़क पर स्टंट करने, बिना नंबर या साफ नंबर नहीं दिखने वाले वाहनों और ब्लैक फिल्म लगे वाहनों पर भी कार्रवाई करने कहा गया। सड़क पर स्टंट करने वाले वाहन चालकों के वाहन जब्त कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

शहर में नो एंट्री के दौरान भारी वाहनों के प्रवेश पर भी यातायात पुलिस की नजर रहेगी। बैठक में सड़क हादसों को रोकने पर भी जोर दिया गया। अधिकारियों को निर्देश दिए गए दुर्घटनाजन्य स्थलों का मौके पर निरीक्षण कर हादसे की वजह जानकारी जुटाकर जरूरी सुधार कराए जाएं।

बजरंगियों ने फूंका अरुण पन्नालाल का पुतला

केशकाल। शिवलिंग को लेकर कथित तौर पर की गई टिप्पणी के मामले में बजरंग दल के साथी अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय केशकाल पहुंचे और संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की। बजरंग दल की ओर से अरुण पन्नालाल एवं हंसराज गोयल के खिलाफ शिकायत प्रस्तुत की गई है। कार्यकर्ताओं ने इस अवसर पर पन्नालाल का पुतला फूंककर विरोध जताया।

इंस्टाग्राम से बुलाया तांत्रिक, श्मशान में कराई साधना, फिर लगा धमकाने

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की तस्वीर रखकर श्मशान घाट मे तंत्र-मंत्र चीफ जस्टिस को नुकसान पहुंचाने के लिए नहीं, बल्कि चाकूबाजी केस में पीड़ित परिवार को डराने के लिए की गई थी।

सूचना के अनुसार आरोपियों ने इंस्टाग्राम के जरिए तांत्रिक से संपर्क किया था। तोरवा थाने में आरोपियों के खिलाफ धमकी देने और टोनही प्रताड़ना का केस दर्ज किया गया है।

जानकारी के अनुसार, दयालबंद के रहने वाले ओम बोले (23) प्रियांशु बोले का भाई है। प्रियांशु बोले चाकूबाजी के एक केस में जेल में बंद है। उसके खिलाफ चालानी कार्रवाई की जा चुकी है। आरोप है कि ओम बोले अपने साथियों के साथ पीड़ित परिवार के घर पहुंचा और प्रियांशु की कोर्ट से जमानत में खर्च हुए 1 लाख रुपए की मांग की।

परिवार से पैसे नहीं मिलने पर ओम बोले अपने 3 साथियों के साथ उनके घर पहुंचा। उसके साथ तोरवा निवासी तरुण बजाज (27), सफेद खदान निवासी मोहम्मद इसरार (22) और जगमल चौक निवासी ऋषिकेश कुमार (28) भी थे।

उन्होंने परिवार को धमकी दी कि यदि पैसे नहीं दिए तो तांत्रिक क्रिया करवाकर जमानत तो करवा ली लेंगे साथ ही पीड़ित पक्ष को खत्म भी करवा देंगे। इसके साथ ही केस वापस लेने के लिए भी दबाव बनाया गया।

पुलिस की जांच में पता चला कि आरोपियों ने प्रार्थी को डराने के लिए तांत्रिक क्रिया की योजना बनाई थी। इसके लिए उन्होंने इंस्टाग्राम के जरिए ऋषिकेश कुमार से संपर्क किया था। देवरी श्मशान घाट से पकड़ा गया ऋषिकेश ही तांत्रिक क्रिया कर रहा था।

पुलिस को श्मशान घाट से कुछ तस्वीरें भी मिली थीं। इनमें हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा, आरोपी प्रियांशु बोले और शिकायतकर्ता की तस्वीर होने की बात सामने आई है। पुलिस को शक है कि इन तस्वीरों और तांत्रिक क्रिया के जरिए प्रार्थी पर मानसिक दबाव बनाने की कोशिश की गई। पुलिस ने सभी को आरोपी बनाया है।

पुलिसिंग सुधारने आईपीएस अफसरों ने थानों को गोद लिया, डीजीपी खुद संभालेंगे रतनपुर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशा के अनुरूप पुलिसिंग में सुधार के लिए वरिष्ठ आईपीएस अफसरों ने अलग-अलग थानों को गोद लिया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सभी आईपीएस व रापुसे के अधिकारियों को एक-एक थाना गोद लेने का निर्देश दिया था। राज्य के 125 से ज्यादा अधिकारियों को थानों की जिम्मेदारी दी गई है। डीजीपी अरुणदेव गौतम ने रतनपुर थाने को गोद लिया है।

एडीजी एसआरपी कल्लूरी कोतवाली बस्तर, प्रदीप गुप्ता तुमगांव महासमुंद, दीपांशु काबरा कोतवाली अंबिकापुर, अमित कुमार लालबाग राजनांदगांव, पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला टिकरापारा और आईजी अमरेश मिश्रा ने हदबंद बलौदाबाजार थाने को गोद लिया है। बीएन मीणा गुंडरदेही बालोद, एमएल कोटवानी अमलेश्वर दुर्ग का काम देखेंगे।

आईपीएस के अलावा राज्य पुलिस सेवा के अधिकारियों को भी थाने की जिम्मेदारी दी गई है। अब बीट पुलिसिंग पर फोकस होगा थाना गोद लेने की योजना का मुख्य उद्देश्य बीट पुलिसिंग को मजबूत करना है। इससे क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों, नए लोगों की एंट्री और अपराधियों की निगरानी आसान होगी। साथ ही पुलिस-जन संवाद बेहतर होगा। सामुदायिक पुलिसिंग पर जोर दिया जाएगा। थानों में रिकॉर्ड का संधारण, मालखानों का आधुनिकीकरण और लंबित मामलों का निपटारा प्राथमिकता में रहेगा। शिकायतों के समाधान और स्टाफ की जिम्मेदारी तय करने पर भी फोकस किया जाएगा।

कार्यालय सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक
जिला चिकित्सालय, दुर्ग (छ.ग.)

क्रमांक/जि.चि./निविदा/2026/7419 — दुर्ग, दिनांक 07/08/2026

जिला चिकित्सालय दुर्ग के Jumbo / small oxygen cylinder / Nitrous cylinder / CO_2Cylinder रिफिलिंग हेतु चतुर्थ निविदा आमंत्रण

जिला चिकित्सालय दुर्ग के Jumbo / small oxygen cylinder / Nitrous cylinder / CO_2Cylinder रिफिलिंग हेतु पंजीकृत मुहरबंद चतुर्थ निविदा दिनांक 21.08.2026 तक आमंत्रित की जाती है.

निविदा प्रपत्र (नियम एवं शर्तें) अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से रु. 500.00 नगद जमा कर कार्यालयीन दिवस में प्राप्त किया जा सकता है, जो वापसी योग्य नहीं है.

निविदा प्रपत्र (नियम एवं शर्तें) का मूल्य	500/- (अक्षरी पांच सौ रु. मात्र)
निविदा फार्म की विक्रय की तिथि एवं समय	विज्ञापन प्रकाशित तिथि से 20.08.2026 तक (कार्यालयीन समय तक)
निविदा फार्म जमा करने की निर्धारित अंतिम तिथि एवं समय	दिनांक 21.08.2026 दोपहर 03.00 बजे तक केवल पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट द्वारा ही मान्य है.
निविदा खोलने की तिथि एवं समय	दिनांक 21.08.2026 दोपहर 4.00 बजे जिला चिकित्सालय के टेली मेडिसिन कक्ष में खोली जावेगी.
निविदा फार्म प्राप्त करने का निर्धारित स्थल	कमरा नम्बर 35 जीवनदीप समिति शाखा जिला चिकित्सालय दुर्ग

जी- 262702703/3

सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक
दुर्ग (छ.ग.)

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950